CNews सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-308
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सफलता का कोई रहस्य नहीं है, वह केवल अत्यधिक परिश्रम चाहती है.

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, बुधवार 12 फरवरी 2025

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

30 साल के इतिहास में ऐसा पहली बार- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में एक साथ कई नीतियों को मंजूरी, प्रदेश में निवेश और रोजगार को लेकर अब तक की सबसे बड़ी पहल

20 लाख युवाओं को मिलेगा रोजगार

भोपाल। मध्यप्रदेश कैबिनेट की मंगलवार को हुई बैठक में कई नई नीतियों को मंजूरी दी गई। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में इन नीतियों पर मुहर लगी। इन नीतियों से लगभग 20 लाख युवाओं को रोजगार मिलने की उम्मीद है। इनमें उद्योग संवर्धन, फिल्म और पर्यटन नीतियां प्रमुख हैं। शिवपुरी में नया एयरपोर्ट भी बनेगा। घरों में पाइपलाइन से रसोई गैस भी मिलेगी। संसदीय कार्य मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने बताया कि इन नीतियों से लगभग 20 लाख युवाओं को रोजगार मिलेगा। उन्होंने बताया कि अधिकतम आर्थिक सहायता ढाई सौ करोड़ रुपए तक होगी। ये नीतियां प्रदेश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। ये नीतियां फिल्म, खेती-बाड़ी, खिलौना उद्योग, रक्षा उत्पादन, मेडिकल उपकरण, इलेक्ट्रिक वाहन और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों से जुड़ी हैं। इसके अलावा, पर्यटन, लॉजिस्टिक पार्क और पंप स्टोरेज के लिए भी नई नीतियां बनाई गई हैं। ये नीतियां निवेश को बढ़ावा देने के लिए डिजाइन की गई हैं। शिवपुरी में नए एयरपोर्ट के निर्माण को भी कैबिनेट ने मंजूरी दे दी है। इस एयरपोर्ट का अनुबंध पहले ही हो चुका है। जिला कलेक्टर को भूमि अधिग्रहण और अन्य कार्यों के लिए अधिकृत किया गया है। इस एयरपोर्ट के बनने से शिवपुरी का विकास होगा और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।

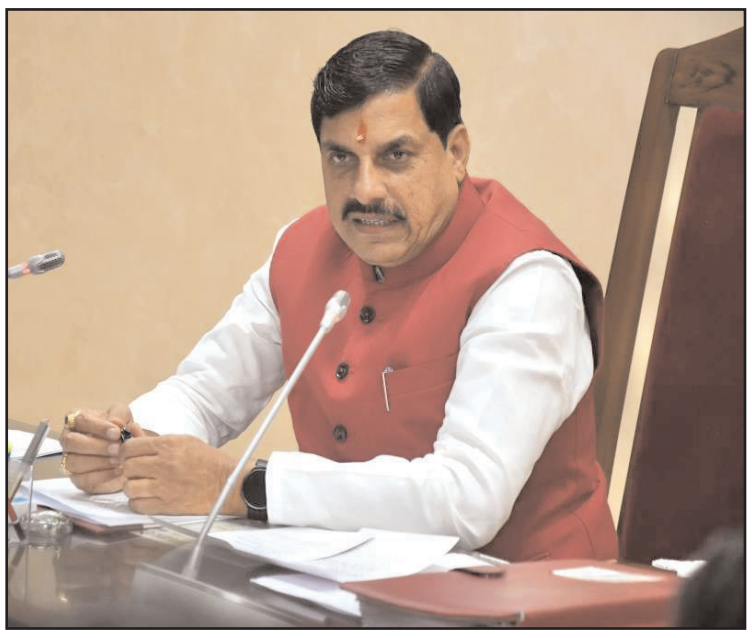

उद्योगों को मिलेंगी ये सुविधाएं

- निवेश प्रोत्साहन के तहत निवेशकों को भारी-भरकर रियायत दी जाएगी। इसमें 50 से 150 करोड़ तक का निवेश करने पर उद्योगों को 40 फीसदी तक का प्रोत्साहन दिया जाएगा।
-200 करोड़ तक के निवेश पर 32 प्रतिशत प्रोत्साहन और अन्य दूसरी रियायतें भी दी जाएंगी।
-निवेशकों को बिजली में छूट दी जाएगी। इसके अलावा प्रबंधन के लिए 10 करोड़ और अधोसंरचना विकास के लिए 5 करोड़ की छूट दी जाएगी।
-विदेशी प्रत्यक्ष निवेश पर टांसपोर्ट के लिए 1 करोड़ और दो करोड़ रुपए और इन्फ्रस्ट्रक्चर डेवलपमेंट के लिए 40 करोड़ का प्रोत्साहन दिया जाएगा।
-यदि निजी औद्योगिक पार्क विकसित किया जाता है, तो इन्फ्रस्ट्रक्चर डेवलपमेंट पर 50 फीसदी, 20 लाख रुपए प्रति एकड़ राशि दी जाएगी।
-नई ईकाइयों को डिस्काम, ग्रिड से बिजली खरीदने पर विद्युत वितरण कंपनी के सालाना टैरिफ प्लान पर रियायती बिजली उपलबध कराई जाएगी।

ये हैं मप्र की नई नीतियां

1. उद्योग संवर्धन नीति निवेशकों को आकर्षित करने नई उद्योग संवर्धन नीति को स्वीकृति दी गई है। इसके तहत निवेशकों को 200 करोड़ रुपए तक की सहायता दी जाएगी।
2. न्यू एक्सपोर्ट पॉलिसी मध्य प्रदेश से निर्यात को बढ़ावा देने के लिए नई निर्यात नीति को भी स्वीकृति दी गई है।
3. फिल्म पर्यटन नीति मध्य प्रदेश में फिल्म निर्माण को प्रोत्साहित करने के लिए नई फिल्म पर्यटन नीति को मंजूरी दी गई है।
4. सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन पॉलिसी- मध्यप्रदेश में सिटी गैस वितरण को बढ़ावा देने के लिए नई नीति को स्वीकृति दी गई है।
5. पंप स्टोरेज नीति मोहन कैबिनेट ने ऊर्जा भंडारण को बढ़ावा देने के लिए पंप स्टोरेज नीति को मंजूरी दी है।
6. लॉजिस्टिक नीति मप्र में लॉजिस्टिक इकोसिस्टम के विकास के लिए बनी है यह रणनीति
7. पर्यटन नीति प्रदेश को सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गंतव्य के रूप मे स्थापित करने के लिए पर्यटन नीति 2025 की स्वीकृति दी है।

नई उद्योग संवर्धन नीति के तहत कुल 10 नीतियां

नई उद्योग संवर्धन नीति के तहत कुल 10 नीतियों को मंजूरी दी गई है। इन नीतियों का उद्देश्य प्रदेश में औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देना और रोजगार के अवसर पैदा करना है। अगले 5 वर्षों में 20 लाख नए रोजगार सृजन का लक्ष्य है। नई उद्योग संवर्धन नीति के तहत कृषि, डेयरी एवं खाद्य प्रसंस्करण नीति, टेक्सटाइल नीति, परिधान, फुटवियर, खिलौने और सहायक उपकरण नीति, एयरोस्पेस और रक्षा उत्पादन प्रोत्साहन नीति, फार्मास्यूटिकल्स नीति, बायोटेक्नोलॉजी नीति, मेडिकल डिवाईसेस नीति, ईव्ही विनिर्माण नीति, नवकरणीय ऊर्जा उपकरण विनिर्माण नीति और हाई वेल्यू-एड विनिर्माता नीति को मजूरी मिली है। उद्योग संवर्धन नीति में यह प्रावधान किया गया है कि इसके तहत निवेशकों को एक ही जगह से सभी जरूरी अनुमतियां मिल जाएंगी। इससे उन्हें किसी भी तरह की परेशानी नहीं होगी। सिंगल विंडो सिस्टम को प्रभावी ढंग से लागू किया जाएगा। इससे निवेश की प्रक्रिया आसान और तेज होगी।

52 किलो सोने के राज से अब हटेगा पर्दा?

सौरभ शर्मा और उसके सहयोगी की ईडी की 7 दिन की रिमांड पर

भोपाल। परिवहन आरक्षक की नौकरी छोड़कर अरबों का मालिक बना सौरभ शर्मा और उसके बिजनेस पार्टनर व राजदार चेतन सिंह गौर और शरद जायसवाल की प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को सात दिन की रिमांड मिली है। ईडी तीनों आरोपियों से 17 फरवरी तक पूछताछ करेगी। मंगलवार को सौरभ समेत तीनों आरोपियों को रिमांड पर लेने विशेष न्यायाधीश ईडी संतोष कुमार कोल की अदालत में प्रवर्तन निदेशालय ने याचिका लगाकर प्रोटेक्शन वारंट मांगा था। इसके बाद कोर्ट ने केंद्रीय जेल के अधीक्षक को तीनों ही आरोपियों को मंगलवार को कोर्ट में पेश करने का आदेश दिया। जेल पुलिस तीनों आरोपियों को लेकर कोर्ट पहुंची। ईडी ने कोर्ट से तीनों आरोपियों की सात दिन की रिमांड की मांग की, जिसे कोर्ट ने स्वीकार करते हुए तीनों को ईडी को सात दिन की रिमांड पर सौंप दिया। ईडी अब तीनों आरोपियों से 52 किलो सोना, 11 करोड़ रुपए कैश समेत अन्य करोड़ों रुपए की संपत्ति के मामले में पूछताछ करेगी। बता दें इससे पहले लोकायुक्त की पूछताछ में सौरभ शर्मा नकदी और सोना खुद का होने से इंकार किया है, जबकि चेतन भी अपने बयान में कह चुका है कि इनोवा उसके नाम से है, लेकिन उसकी किश्त सौरभ जमा करता था और उपयोग भी सौरभ के कार्यालय में होता था। बता दें लोकायुक्त पुलिस ने सौरभ शर्मा, उसके बिजनेस पार्टनर और राजदार चेतन सिंह गौर और शरद जायसवाल के ठिकानों पर 18 दिसंबर को एक साथ छापा मारा था। छापे की कार्रवाई 19 दिसंबर को भी चली थी। तीनों के ठिकानों से करोड़ों की संपत्ति बरामद हो चुकी है। इस बीच आयकर विभाग की टीम ने भोपाल के पास मेंडोरा गांव से एक कार में 52 किलो सोना और 11 करोड़ रुपए केस बरामद किए थे। सौरभ समेत तीनों आरोपियों के मामले में तीन एजेंसियां जांच कर रही है। लोकायुक्त, ईडी और आयकर विभाग की टीम पूछताद कर रही है। पिछली बार कोर्ट में पेश किए गए सौरभ शर्मा और उसके साथियों को अदालत ने 17 फरवरी तक के लिए न्यायिक हिरासत में भेज दिया था।

यूट्यूब ने हटाया रणवीर इलाहाबादिया का विवादित वीडियो

नई दिल्ली। यूट्यूबर रणवीर इलाहाबादिया समय रैना के यूट्यूब शो 'इंडियाज गॉट लैटेंट' में की गई विवादित टिप्पणी को लेकर घिरे हैं। इस मामले पर सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने यूट्यूब को नोटिस जारी किया। साथ ही राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के सदस्य प्रियांक कानूनगो ने भी वीडियो हटाने की मांग की थी। इस पर यूट्यूब ने एक्शन लेते हुए वीडियो हटा दिया है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की वरिष्ठ सलाहकार कंचन गुप्ता ने एक एक्स पोस्ट में कहा कि रणवीर इलाहाबादिया की अश्लील और विकृत टिप्पणियों वाले इंडिया गॉट लेटेंट एपिसोड को भारत सरकार के आदेश के बाद यूट्यूब पर ब्लॉक कर दिया गया है। समय रैना के शो में रणवीर इलाहाबादिया ने माता-पिता को लेकर अभद्र टिप्पणी की थी। इस पर विवाद हो रहा है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की तरफ से यूट्यूब को नोटिस जारी किया गया। मामले पर बढ़ते विवाद और नोटिस मिलने के बाद यूट्यूब ने एक्शन लिया है। इंडियाज गॉट लैटेंट में रणवीर इलाहाबादिया ने जो टिप्पणी की, उसका वीडियो तेजी से वायरल हुआ। इसे लेकर न सिर्फ सोशल मीडिया पर लोग रणवीर को ट्रोल कर रहे हैं, बल्कि देशभर में बड़े स्तर पर लोगों ने एतराज जताया है। रणवीर की टिप्पणी को संस्कृति और संस्कारों के खिलाफ बताते हुए उनके विरुद्ध एक्शन की मांग की गई है। इस मामले पर रणवीर इलाहाबादिया, समय रैना व अन्य लोगों पर एफआईआर भी दर्ज हो चुकी है।

महाकुंभ से लौट रहे ट्रैवलर को ट्रक ने मारी टक्कर, हादसे में सात की मौत, तीन घायल

जबलपुर। जबलपुर जिले में एक ट्रेवलर को ट्रक ने टक्कर मार दी। भीषण सड़क हादसे में सात लोगों की मौत हो गई, जबकि कुछ लोग टक्कर के बाद चकनाचूर हुए ट्रेवलर में फंसे रहे। वे गंभीर रूप से घायल थे। उन्हें बचाया गया। जानकारी के अनुसार, हादसा जबलपुर से करीब 50 किलोमीटर दूर नागपुर-प्रयागराज नेशनल हाईवे पर मंगलवार सुबह करीब नौ बजे बजे हुआ। सीमेंट से भरा ट्रक जबलपुर से कटनी की ओर जा रहा था, इस दौरान उसने लोगों से भरी ट्रैवलर को टक्कर मार दी। हादसे की सूचना पर कलेक्टर दीपक सक्सेना, एसपी संपत उपाध्याय और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। ग्रामीणों और पुलिस के जवानों ने ट्रैवलर में फंसे लोगों को बाहर निकाला। ट्रैवलर में सवार भी लोग आंध्रप्रदेश के निवासी बताए जा रहे हैं। वे प्रयागराज महाकुंभ में स्नान करने के लिए आए थे। वहां से वापस घर लौटने के दौरान उनकी ट्रेवलर हादसे का शिकार हो गई। बताया जा रहा है कि ट्रैवलर और ट्रक की टक्कर के बाद सामने से आ रही एक कार भी दोनों वाहनों से टकरा गई। गनीमत रही कि कार के एयरबैग खुल गए जिससे उसमें सवार सभी लोगों की जान बच गई।

महाराष्ट्र में गुइलेन-बैरे सिंड्रोम से 7 की मौत, 167 मरीजों में सिंड्रोम की पुष्टि हुई

मुंबई। महाराष्ट्र में गुइलेन-बैरे सिंड्रोम (जीबीएस) के मरीजों के संदिग्ध मरीजों की संख्या 192 पर पहुंच गई है। 167 मरीजों में सिंड्रोम की पुष्टि हुई है। बीमारी से अबतक 7 लोगों की मौत हुई है। 48 मरीज आईसीयू में हैं और 21 वेंटिलेटर पर हैं। एक्टिव केसों में 39 मरीज पुणे म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन, 91 पुणे से लगे गांवों से, 29 पिंपरी चिंचवाड़, 25 पुणे ग्रामीण से और 8 अन्य जिलों से हैं। इससे पहले 7 फरवरी को जीबीएस सिंड्रोम के मरीजों की संख्या 180 थी। एक अधिकारी ने बताया था कि जीबीएस सिंड्रोम के सबसे ज्यादा मामले नांदेड़ के पास स्थित एक हाउसिंग सोसाइटी से सामने आए। यहां पानी का सैंपल लिया गया था, जिसमें कैंपिलोबैक्टर जेजुनी पॉजिटिव पाया गया। यह पानी में होने वाला एक बैक्टीरिया है। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी ने पुष्टि की है कि नांदेड़ और उसके आसपास के इलाकों में जीबीएस सिंड्रोम प्रदूषित पानी के कारण फैला है। पुणे नगर निगम ने नांदेड़ और आसपास के इलाके में 11 निजी आरओ सहित 30 प्लांट को सील कर दिया है।

चार पीढ़ियों संग कुंभ नगरी पहुंचे उद्योगपति मुकेश अंबानी, लगाई डुबकी

प्रयागराज। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन और उद्योगपति मुकेश अंबानी ने मंगलवार को महाकुंभ में स्नान किया। उनके साथ उनकी चार पीढ़ियां भी कुंभ नगरी पहुंचीं, जिसमें उनकी मां कोकिला बेन, बेटा-बहू आकाश व श्लोका और अनंत व राधिका के साथ मुकेश अंबानी के पोते-पोती पृथ्वी व वेदा भी प्रयागराज पहुंचे। संगम में डुबकी के बाद अंबानी परिवार ने निरंजनी अखाड़े के पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशानंद गिरी जी महाराज की उपस्थिति में मां गंगा की पूजा-अर्चना की। त्रिवेणी में स्नान के बाद अंबानी परिवार महाकुंभ में बने परमार्थ निकेतन आश्रम पहुंचा। परिवार ने आश्रम में सफाईकर्मियों, बोट चालाने वालों व तीर्थयात्रियों को मिठाई बांटी। परिवार के सदस्य श्रद्धालुओं को भोजन परोसते भी दिखे। बता दें कि रिलायंस इंडस्ट्रीज, परमार्थ निकेतन आश्रम, शारदा पीठ मठ ट्रस्ट द्वारका, श्री शंकराचार्य उत्सव सेवालय फाउंडेशन, निरंजनी अखाड़ा और प्रभु प्रेमी संघ चैरिटेबल ट्रस्ट सहित प्रसिद्ध आध्यात्मिक संगठनों के साथ मिलकर कुंभ में अन्न सेवा कर रही है। अंबानी परिवार ने बोट-चालकों को उनकी व तीर्थ यात्रियों की सुरक्षा के लिए लाइफ जैकेट भी दिए।

हेलिकॉप्टर से मेला क्षेत्र पहुंचा परिवार दिग्गज उद्योगपति मुकेश अंबानी अपने परिवार के साथ संगम में स्नान करने के लिए हेलिकॉप्टर से मेला क्षेत्र पहुंचे। फिर वहां से सुरक्षा व्यवस्था के साथ अरैल घाट पहुंचे और बोट में बैठकर संगम पहुंचे फिर अस्था की डुबकी लगाई। अंबानी परिवार ने स्वामी चिदानंद सरस्वती जी और साध्वी भगवती सरस्वती जी के पावन सान्निध्य में विश्व शान्ति यज्ञ में आहुतियां अर्पित करते हुए विश्व में शांति और कल्याण की कामना की।

कुंभ में अन्न सेवा कर रही है रलियांस इंडस्ट्रीज रिलायंस इंडस्ट्रीज, परमार्थ निकेतन आश्रम, शारदा पीठ मठ ट्रस्ट द्वारका, श्री शंकराचार्य उत्सव सेवालय फाउंडेशन, निरंजनी अखाड़ा और प्रभु प्रेमी संघ चैरिटेबल ट्रस्ट सहित प्रसिद्ध आध्यात्मिक संगठनों के साथ मिलकर कुंभ में अन्न सेवा कर रही है। अंबानी परिवार ने बोट-चालकों को उनकी और तीर्थयात्रियों की सुरक्षा के लिए लाइफ जैकेट भी दिए। मुकेश अंबानी देश के सबसे दौलतमंद व्यक्ति हैं। वे रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर हैं। अंबानी परिवार भारत के सबसे प्रमुख परिवारों में से एक है और उनके परिवार के सदस्य विभिन्न व्यवसायों और परोपकारी गतिविधियों में शामिल हैं।

रणवीर इलाहाबादिया की मुश्किलें और बढ़ीं, इंदौर पुलिस भी दर्ज करेगी एफआईआर

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। स्टैंड-अप कॉमेडियन समय रैना के यूट्यूब शो इंडियाज गॉट लेटेंट को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। इंदौर के एडवोकेट अमन मालवीय ने तुकोगंज थाने में इस शो को बंद करने की मांग करते हुए शिकायत दर्ज कराई है। मालवीय का आरोप है कि समय रैना ने खुद को स्वघोषित स्टैंड-अप कॉमेडियन घोषित कर रखा है और उनके द्वारा संचालित इस शो में बेहद अश्लील और फूहड़ संवाद पेश किए जाते हैं। यह शो समाज में नैतिक पतन को बढ़ावा दे रहा है और इसे तत्काल प्रभाव से बंद किया जाना चाहिए।

एडवोकेट मालवीय ने शिकायत में यह भी कहा कि इस तरह के यूट्यूबर समाज में एक बीमारी की तरह फैल

रहे हैं, जो युवाओं और खासकर बच्चों के दिमाग पर गलत प्रभाव डाल रहे हैं। इस संबंध में मंगलवार को तुकोगंज थाने में शिकायत दर्ज कराते हुए न केवल समय रैना बल्कि सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर रणवीर अलाहबादिया और अपूर्वा माखिजा सहित अन्य लोगों के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज कर, इस कार्यक्रम पर प्रतिबंध लगाने की मांग की गई है। एडवोकेट की शिकायत पर उनके खिलाफ केस दर्ज करने की बात कही जा रही है।

देशभर में दर्ज हो रही हैं एफआईआर

इस शो के कंटेंट को लेकर मुंबई के खार थाने में भी पहले से ही मामला दर्ज है। मुंबई में यह शिकायत एडवोकेट आशीष राय ने दर्ज कराई थी, जिसमें पेरेंट्स और महिलाओं पर भद्दे कमेंट करने के आरोप में समय रैना, रणवीर अलाहबादिया और शो के ऑगेर्नाइजर्स पर एफआईआर हुई थी। इसके अलावा असम में भी मामला दर्ज किया गया है। बढ़ते विवाद के बाद रणवीर अलाहबादिया ने माफी मांग ली है, लेकिन मामला लगातार तूल पकड़ता जा रहा है। इंदौर में दर्ज शिकायत में यह भी बताया गया कि समय रैना के विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर करोड़ों फॉलोअर्स हैं, जिनमें बड़ी संख्या में बच्चे और किशोर भी शामिल हैं। ऐसे में जब वे इस प्रकार के आपत्तिजनक कंटेंट को देखते हैं, तो उनके मानसिक विकास पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। यह शो और इसके छोटे-छोटे क्लिप्स वायरल किए जाते हैं, जिससे कई बार बच्चे इसे परिवार के बीच भी देख लेते हैं, जिससे संस्कृति और नैतिकता पर बुरा असर पड़ता है।

शो में गालियों का खुलेआम प्रचार

शिकायत में यह भी कहा गया कि इंडियाज गॉट लेटेंट शो में गालियों का खुलेआम प्रचार किया जाता है। इसमें माता-पिता, भाई-बहन जैसे पवित्र रिश्तों को अपमानित करने वाली भाषा का इस्तेमाल किया जाता है। इस तरह के कंटेंट को न्यू नॉर्मल बताकर सही ठहराना बेहद गंभीर और चिंताजनक मुद्दा है। टीआरपी और पैसे कमाने की होड़ में रिश्तों की मर्यादा तार-तार की जा रही है। मालवीय का कहना है कि इस तरह के कंटेंट को बढ़ावा देना समाज में नैतिकता के पतन का संकेत है और इसे तुरंत रोका जाना चाहिए। इसके लिए एफआईआर दर्ज कर इस कार्यक्रम को पूरी तरह प्रतिबंधित करने की मांग की गई है। अब देखना यह होगा कि इस मामले में प्रशासन क्या कदम उठाता है और क्या इस विवादास्पद शो पर कोई कानूनी कार्यवाही होती है या नहीं।

लड़ाई में दांत से कान काटकर अलग कर दिया

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। राउ इलाके में शराब दुकान के बाहर दो पक्षों के बीच कहासुनी इतनी बढ़ गई कि मामला मारपीट तक पहुंच गया। विवाद के दौरान एक युवक ने गुस्से में दूसरे युवक का कान अपने दांतों से काट लिया, जिससे वह कटकर अलग हो गया। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए दोनों पक्षों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है और जांच जारी है। राउ पुलिस के अनुसार, यह झगड़ा शुभम केलवा निवासी शिव सिटी मराठी मोहल्ला और मनोज पुत्र भगवानदास के बीच हुआ। शुभम ने पुलिस को बताया कि वह एक निजी कार कंपनी में काम करता है और सोमवार को अपने दोस्त अशोक के साथ आईपीएस कॉलेज के पास स्थित शराब दुकान पर पहुंचा था। वहां उसने देखा कि एक व्यक्ति शराब दुकान के सामने जमीन पर सो रहा था। शुभम ने उसे हटने के लिए कहा, लेकिन वहां मौजूद मनोज ने इस बात पर नाराजगी जाहिर करते हुए अपशब्द कहने शुरू कर दिए। शुभम ने जब मनोज को ऐसा करने से रोका, तो विवाद और बढ़ गया और अचानक मनोज ने शुभम के कान पर अपने दांतों से हमला कर दिया। यह हमला इतना खतरनाक था कि शुभम का कान कटकर अलग हो गया। घायल शुभम को तुरंत एम्बुलेंस की मदद से जिला अस्पताल भेजा गया, जहां डॉक्टरों ने उसका

इलाज किया और उसकी हालत स्थिर बताई गई।

दोनों पहुंच गए पुलिस थाने

इस मामले में मनोज ने भी खुद को पीड़ित बताते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। मनोज के बेटे शिवम का कहना है कि झगड़े की शुरूआत शुभम की तरफ से हुई थी। उसके अनुसार, मनोज शराब दुकान के पास बैठा था, तभी शुभम वहां आया और उसे हटने के लिए कहने लगा। जब मनोज ने इनकार किया, तो शुभम ने गुस्से में शराब की बोतल उठाकर उसके सिर पर मार दी, जिससे वह बुरी तरह घायल हो गया। मनोज पेशे से मजदूर है और इस झगड़े में उसे भी गंभीर चोटें आई हैं।

जांच के बाद साफ होगी स्थिति

पुलिस ने दोनों पक्षों के बयान दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। अस्पताल से मेडिकल रिपोर्ट मिलने के बाद कानूनी कार्रवाई को आगे बढ़ाया जाएगा। इस घटना के बाद इलाके में तनाव बढ़ गया है और पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि झगड़ा किस वजह से हुआ और असली दोषी कौन है।

लाठी-बंदूक छोड़ पुलिसवालों ने थामी झाड़ू, थाने को किया साफ

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर में सफाई में आठवीं बार नंबर वन लाने के लिए फिर शहरवासी एकजुट हो गए है। सरकारी कर्मचारी भी पीछे नहीं है। मंगलवार को पुलिसकर्मियों ने लाठी-बंदूक को एक तरफ रखा और झाड़ू थाम ली। थाना परिसर में लंबे अर्से से जमी धूल साफ की और थाना चकाचक कर दिया। मंगलवार को बाणगंगा थाने पर सुबह पार्षद सोनाली बिज्जु परमार व थाना प्रभारी सियाराम गुर्जर पहुंचे। इसके बाद थाने के पुलिसकर्मियों ने झाड़ू उठाई व सफाई शुरू कर दी। करीब डेढ़ घंटे तक चले सफाई अभियान के बाद पूरा थाना परिसर साफ नजर आया। थाने के बोर्ड पर भी काफी धूल जमा थी। कर्मचारियों ने बोर्ड की धूल झाड़ी। इसके बाद सभी ने

स्वच्छता की शपथ ली।स्वच्छता को लेकर नगर निगम ने सख्ती शुरू कर दी है। जो संस्थान गंदगी फैला रहे है। उनके खिलाफ जुमार्ना लगाया जा रहा है। मंगलवार को एक फैक्टरी के खिलाफ सीवरेज में केमिकल युक्त वेस्ट छोड़ने पर एक लाख का जुमार्ना किया। पालदा क्षेत्र की एक फैक्टरी को लेकर शिकायत मिली थी कि केमिकल वेस्ट सीधे ड्रेनेज में छोड़ा जा रहा है। जांच करने पर शिकायत सही पाई गई और फैक्टरी संचालक से एक लाख का जुमार्ना वसूला गया। इसके अलावा खजराना में लगे ऊर्स मेले में कचरा फैलाने पर 51 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया।

मुस्लिम समाज का पवित्र त्योहार शब-ए-बरात कल

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर में मुस्लिम समाज 13 फरवरी को शब-ए-बरात का पवित्र त्योहार मनाएगा। इस्लामी कैलेंडर के अनुसार शाबान माह की 14वीं तारीख को मनाए जाने वाले इस त्योहार का विशेष महत्व है। शहर काजी डॉक्टर मोहम्मद इशरत अली के अनुसार, शब-ए-बरात शब्द का अर्थ है मुक्ति की रात।

इस पवित्र अवसर पर मुस्लिम समाज के लोग रात भर जागकर अल्लाह की इबादत करेंगे। मस्जिदों और कब्रिस्तानों में विशेष रोशनी की व्यवस्था की जाएगी। श्रद्धालु नवाफिल नमाज अदा करेंगे और अजकारो-अफकार के माध्यम से अल्लाह की बंदगी करेंगे। रात और सुबह के समय लोग कब्रिस्तान जाकर अपने पूर्वजों और प्रियजनों की कब्रों पर फूल चढ़ाएंगे, फातिहा पढ़ेंगे और उनकी मगफिरत (मोक्ष) के लिए दुआएं करेंगे। इस अवसर पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। जूना रिसाला स्थित बड़ी मस्जिद में मौलवी अब्दुल वहीद साहेब का 117वां उर्स मुबारक मनाया जाएगा। सुबह 8:30 बजे कुरआन खानी का आयोजन होगा और लंगर का वितरण किया जाएगा। श्रद्धालु इस दिन रोजा भी रखेंगे। यह त्योहार मुस्लिम समाज के लिए गुनाहों से मुक्ति पाने और अल्लाह की विशेष रहमत प्राप्त करने का अवसर माना जाता है।

50 वर्ष पुराना सर्कस व जंगल बुक कार्निवाल दे रहा फूल इंटरटेनमेंट

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। शहर के लालबाग पैलेस मैदान पर लगा जंगल बुक कार्निवाल व 50 वर्ष पुराना ऐतिहासिक फिल्म मेरा नाम जोकर वाला ग्रेट जेमिनी सर्कस आम जनमानस का फूल इंटरटेनमेंट कर रहा है। इंदौर शहरवासियों व आगंतुकों मेहमानों के स्वस्थ्य मनोरंजन की ग्यारंटी लेता जंगल बुक कार्निवाल व 50 बरस का सफर तय कर चुके मेरा नाम जोकर से मजबूत पहचान बरकरार रखने वाला द ग्रेट जेमिनी सर्कस सोमवार से

शुक्रवार दो शो व शनिवार रविवार तीन शो में अफ्रीकन रशियन विदेशी 60 सदस्यों की टीम द्वारा हाथ गोला,हवाई झुला,साइकिलिंग व अन्य आकर्षक मनोरंजक आइटम्स के माध्यम से करतब दिखाकर लगातार आम-जन का मनोरंजन किया जा रहा है । मेला संचालक ने बताया कि जंगल बुक कार्निवाल में आपको असली जंगल मे होने की अनुभुति होती है । जेमिनी सर्कस हिन्दुस्तान के लगभग सभी प्रांतो में बड़े-बुजूर्गो, बच्चे व जवान महीला पुरूषों व अन्य सभी के दिलो दिमाग में लिए अपनी स्वास्थ्य शुद्ध मनोरंजन की छाप छोड रहा है ।

इंदौर-देवास रोड पर फ्लाईओवर निर्माण के लिए मेन रोड हुआ बंद ट्रैफिक किया डाइवर्ट

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर-देवास बायपास पर एमआर-10 जंक्शन फ्लाईओवर के निर्माण को लेकर मंगलवार से एक हिस्से का मुख्य मार्ग बंद कर दिया। सुबह 10 बजे बाईं तरफ का यातायात डायवर्ट किया गया। राऊ तरफ से आने वाले वाहनों को डेढ़ किमी तक सर्विस लेन से जाना पड़ा है।

संगम पैराडाइज से पटेल नगर के बीच वाहनों की बेहद धीमी गति से चले। वाहन रांग साइड से भी आए। इस वजह से कुछ देर के लिए यातायात प्रभावित हुआ। गर्डर और स्लैब डाली गई है। निर्माण एजेंसी फ्लाईओवर पूरा करने के लिए अब बाईं तरफ से रास्ता बंद किया गया है। मंगलवार से ट्रैफिक डायवर्ट कर दिया है। वाहनों को संगम पैराडाइज से सर्विस लेन से निकाला जा रहा है। डेढ़ किमी तक वाहन के लिए डायवर्शन रखा है। पटेल नगर की सर्विस लेन से दोबारा वाहन मुख्य मार्ग पर आएंगे।

नेशनल गेम्स के विजेताओं को एमपी ओलंपिक संघ के अध्यक्ष रमेश मेंदोला ने किया पुरस्कृत

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर । उत्तराखंड में चल रहे 38 वें राष्ट्रीय खेलों में मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों ने मंगलवार को भी अपना जलवा दिखाया। एमपी के ब्रह्म वत्स ने जूडो में 90 किलो वर्ग में स्वर्ण पदक हासिल किया। देहरादून पहुंचे एमपी ओलंपिक एसोसिएशन के अध्यक्ष विधायक रमेश मेंदोला ने उन्हें स्वर्ण पदक पहनाया। पुरस्कार वितरण के अवसर पर मध्यप्रदेश ओलंपिक संघ के महासचिव दिग्विजय सिंह (जीसीटीसी मेंबर)भी उपस्थित थे। दोनों पदाधिकारियों ने एमपी के खिलाड़ियों से भेंट कर उन्हें बधाई दी और उनका उत्साहवर्धन किया। उधर खेल के मैदान में एमपी के खिलाड़ियों ने सफलता की चमक बिखेरी। मध्यप्रदेश ने दो स्वर्ण और दो रजत सहित कुल चार पदक जीते। महिला कुश्ती में 60 किलो वर्ग में शिवानी पवार ने भी स्वर्ण पदक जीता। जूडो में 60 किलो महिला वर्ग में हिमांशी टोकस ने तथा कयाकिंग कैनोइंग में 1000 मीटर में अरविंद वर्मा इन दोनों खिलाड़ियों ने भी रजत पदक जीता।

'द पल्सेस कॉन्क्लेव 2025' आज से, दालों के व्यापार को आकार देने की पहल

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह बुधवार को नई दिल्ली के भारत मंडपम में आईपीजीए के 'द पल्सेस कॉन्क्लेव (टीपीसी) 2025' का उद्घाटन करेंगे। 12 से 14 फरवरी तक चलने वाले इस कार्यक्रम का विषय 'समृद्धि के लिए दलहन- पोषण के साथ स्थिरता' है। दालों के व्यापार, स्थिरता और आत्मनिर्भरता के भविष्य को आकार देने के लिए यह सातवां संस्करण है।

'समृद्धि के लिए दालें - स्थिरता के साथ पोषण' थीम पर आधारित इस कार्यक्रम में आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए भारत के दालों के उत्पादन को बढ़ाने की रणनीतियों, स्थिर व्यापार वातावरण के लिए नीतिगत ढांचे, दक्षता में सुधार के लिए तकनीकी प्रगति, वैश्विक बाजार के रुझान, मूल्यवर्धित उत्पादों पर जोर दिया जाएगा।

आईपीजीए का प्रमुख द्विवार्षिक कार्यक्रम, द पल्सेस कॉन्क्लेव (टीपीसी), दालों के क्षेत्र को समर्पित दुनिया का सबसे बड़ा सम्मेलन-सह-प्रदर्शनी है। पिछले संस्करणों में 30 से अधिक देशों की भागीदारी देखी गई है, और टीपीसी 2025 में 800 से अधिक प्रतिनिधियों के आने की उम्मीद है। कॉन्क्लेव उन प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करेगा जो दालों के क्षेत्र के विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं। इनमें घरेलू उत्पादन और बढ़ती दालों की खपत के बीच की खाई को पाटना, दालों के उत्पादन में भारत की आत्मनिर्भरता (आत्मनिर्भर भारत) को आगे बढ़ाना और वैश्विक खाद्य और पोषण सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए टिकाऊ कृषि प्रथाओं को बढ़ाना शामिल है।

इस आयोजन और विश्व दलहन दिवस 2025 के बारे में बोलते हुए, भारत दलहन एवं अनाज संघ (आईपीजीए) के अध्यक्ष बिमल कोठारी ने कहा कि विश्व दलहन दिवस 2025, जिसका विषय 'दालें- कृषि खाद्य प्रणालियों में विविधता लाना' है, वैश्विक पोषण को बढ़ाने, स्थिरता को बढ़ावा देने और खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने में दालों की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करता है। दालें न केवल पौधे-आधारित प्रोटीन का एक समृद्ध स्रोत हैं, बल्कि टिकाऊ कृषि, मिट्टी की उर्वरता में सुधार और कार्बन फुटप्रिंट को कम करने का एक प्रमुख चालक भी हैं। जैसे-जैसे भारत दालों के उत्पादन में आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है, घरेलू खेती को मजबूत करना, मूल्य श्रृंखलाओं को बढ़ाना और उपभोक्ता जागरूकता को बढ़ावा देना महत्वपूर्ण है।

13 फरवरी को उद्घाटन सत्र में भारत सरकार के गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के साथ-साथ भारत सरकार के वरिष्ठ मंत्री, नीति निर्माता, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार प्रतिनिधि और उद्योग जगत के नेता शामिल होंगे। इसमें भाग लेने वाले अन्य प्रमुख व्यक्तियों में उपभोक्ता मामलों के कैबिनेट मंत्री प्रहलाद जोशी, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के कैबिनेट मंत्री चिराग पासवान, महाराष्ट्र राज्य के विपणन एवं प्रोटोकॉल मंत्री जयकुमार रावल, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के सचिव देवेश चतुर्वेदी, उपभोक्ता मामलों के विभाग की सचिव निधि खरे और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय के सचिव सुब्रत गुप्ता शामिल हैं। सत्र की शुरुआत आईपीजीए के अध्यक्ष बिमल कोठारी के भाषण से होगी, जिसके बाद ग्लोबल पल्स कन्फेडरेशन के अध्यक्ष विजय अयंगर अपने विचार रखेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कैबिनेट बैठक में मंत्रियों को दी जानकारी

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का उद्घाटन करेंगे पीएम मोदी, समापन सत्र में आएंगे अमित शाह

सिटी चीफ इंदौर।

भोपाल। राजधानी भोपाल में पहली बार ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआईएस) का आयोजन 24 और 25 फरवरी का आयोजित होने जा रहा है। इसकी तैयारी तेजी से चल रही है। मंगलवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कैबिनेट की बैठक में मंत्रियों को जानकारी देते हुए बताया कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआईएस) का शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 24 फरवरी को करेंगे। वहीं, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जीआईएस के समापन कार्यक्रम में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के आने की स्वीकृति प्राप्त हो गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दिल्ली विधानसभा के चुनाव परिणाम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में क्षेत्र के व्यवस्थित विकास और जनकल्याण को गति प्रदान करेंगे। छतरपुर में बागेश्वर धाम के पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री कैंसर अस्पताल का निर्माण करा रहे है। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 23 फरवरी को छतरपुर के बागेश्वर धाम में कैंसर अस्पताल का शिलान्यास के कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसके बाद प्रधानमंत्री भोपाल आकर राजभवन में रात्रि विश्राम कर सकते हैं।

जीआईएस 2025- कर्टेन रेजर कार्यक्रम आज

ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट (जीआईएस)- 2025 के कर्टेन रेजर कार्यक्रम बुधवार को दिल्ली में आयोजित होगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव दिल्ली के ताजमहल होटल में देश-विदेश के निवेशकों को मध्य प्रदेश में निवेश के लिए आमंत्रित करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव निवेशकों के साथ वन-टू-वन मीटिंग और इंटरैक्टिव राउंडटेबल कर आगामी ग्लोबल समिट के नवाचारों से अवगत कराएंगे। इसमें सीएम निवेश की संभावनाओं और औद्योगिक नीतियों एवं प्रतिबद्धता से अवगत कराएंगे। कार्यक्रम की शुरूआत माध्वकृष्ण सिंघानिया चेयरमैन सीआईआई नॉर्दर्न रीजन एवं डिप्टी मैनेजिंग डायरेक्टर एवं सीईओ जेके सीमेंट के स्वागत संबोधन से होगी। इसके बाद इंवेस्ट एमपी जीआईएस-2025 पर विशेष कर्टेन रेजर वीडियो की प्रस्तुति दी जाएगी, जो ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट की प्रमुख झलकियों को दर्शाएगा। कार्यक्रम में दो महत्वपूर्ण इंटरैक्टिव राउंडटेबल भी आयोजित की जाएंगी। पहली राउंडटेबल मीटिंग में टेलीकॉम कंपनियों के प्रतिनिधि और दूसरी राउंडटेबल मीटिंग में विभिन्न देशों के राजदूत शामिल होंगे। इसमें निवेश और साझेदारी की नई संभावनाओं पर चर्चा होगी।

श्री लेयर होगी सिक्योरिटी, चप्पे चप्पे पर होगी नजर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 24 फरवरी सुबह दस बजे इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में जीआईएस का शुभारंभ करेंगे। पीएम मोदी के साथ करीब दो दर्जन देशों के राजनयिक और दर्जन भर से अधिक देशों के उद्योगपति भी भोपाल आने वाले हैं। भारत के लगभग सभी बड़े उद्योगपतियों या उनके प्रमुख पदाधिकारी जीआईएस में शामिल होने भोपाल आ रहे हैं। इनकी सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रखने की तैयारी की जा रही है। इसके लिए आधुनिक एक दर्जन ड्रोन और सीसीटीवी से बिल्डिंग से लेकर सड़कों के चप्पे चप्पे पर नजर रखी जाएगी। इसमें वीवीआईपी और वीआईपी मेहमानों के लिए तय रूट को चिन्हित किया गया है। जिन पर पुलिसकर्मी के साथ आधुनिक तकनीक का उपयोग कर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। जीआईएस में बिना पास के किसी को भी एंट्री नहीं मिलेगी। अंदर प्रवेश करने के लिए हर व्यक्ति को हैंड-हेल्ड मेटल डिटेक्टर और डिजिटल मल्टी-फंक्शन डिटेक्टर से होकर जाना होगा। भोपाल के राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में दो दिन जीआईएस का आयोजन होगा। इसके अलावा शहर की 50 होटलों में मेहमानों के ठहरने के इंतजाम किए गए हैं। 100 तंबुओं की टेंट सिटी भी बनाई जा रही है। इन सभी जगह पुलिसकर्मी तैनात होंगे। करीब तीन हजार पुलिस कर्मी पूरी व्यवस्था में लगेंगे। साथ ही रिजर्व में भी पुलिस बल रखा जाएगा। सख्त सुरक्षा के लिए आसपास के जिलों से भी पुलिस बल को बुलाया गया है।

ट्रैफिक रूट पर भी होगी निगरानी

जीआईएस के दौरान ट्रैफिक व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए प्रशासन ने आठ अलग-अलग मार्ग निर्धारित किए हैं। इन मार्गों पर वीवीआई और वीआईपी मेहमानों का आना जाना होगा। ऐसे में इन रूट के अलावा उनकी पार्किंग पर भी पुलिस विशेष निगरानी रखेगी। पुलिस ने संवेदनशील और निमार्णाधीन जगहों पर भी सुरक्षा कड़ी कर दी है।

महाकुंभ के श्रद्धालुओं के लिए सरकार ने की आवश्यक व्यवस्था

प्रयागराज महाकुंभ में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है। इसके चलते मध्यप्रदेश समेत अन्य राज्यों के रास्तों में जाम जैसी स्थिति बन गई है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बताया कि मध्यप्रदेश के रीवा की ओर से प्रयागराज जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए रीवा समेत मैहर, सतना, मऊगंज और सीधी में ठहरने, भोजन और छोटे बच्चों के लिए दूध-बिस्किट सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं की गई है। शासकीय एजेंसियां, स्वयंसेवी संगठनों और सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से व्यवस्था में लगी हैं। चिकित्सा आवश्यकताओं के लिए एंबुलेंस और डॉक्टर आदि की भी व्यवस्था है। वाहनों की पार्किंग, पुलिस की हाई-वे पेट्रोलिंग और एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट आदि की व्यवस्था के परिणाम स्वरुप जाम की स्थिति में तुलनात्मक रूप से कमी आई है।

महाराष्ट्र सीमा पर भी किया जा रहा प्रबंधन

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रयागराज से आने-जाने वालों की बड़ी संख्या को देखते हुए मार्गों के नियोजन, प्रयागराज प्रशासन से तालमेल और श्रद्धालुओं की संख्या का अनुमान लगाते हुए व्यवस्था की जा रही है।

महाराष्ट्र सीमा पर भी श्रद्धालुओं और वाहनों के आवागमन का प्रबंधन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रयागराज कुंभ जा रहे श्रद्धालुओं से भीड़ और आवागमन की स्थिति का गूगल सहित अन्य स्त्रोतों से जानकारी के आधार पर कार्यक्रम बनाने के आहवान किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्रि-परिषद के सदस्यों से भी जन-सामान्य को इसके लिए प्रेरित करने की अपील की।

विधानसभा वार विजन डॉक्यूमेंट बनाएं

मुख्यमंत्री ने विधानसभा वार विजन डॉक्यूमेंट विकसित करने की आवश्यकता बताई। उन्होंने मंत्री और विधायकगण को क्षेत्र के लोगों से बेहतर संवाद के लिए अपने-अपने स्तर पर वर्चुअल व्यवस्था विकसित करने का सुझाव दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इससे विधानसभा क्षेत्र के लोगों के साथ ही राजधानी से भी अधिक प्रभावी तरीके से सतत् संपर्क बनाने में मदद मिलेगी।

भोपाल के पहले हाईटेक पार्क 'नमोवन' का सीएम ने किया भूमिपूजन

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंगलवार सुबह भोपाल के पहले हाईटेक पार्क 'नमोवन' के लिए भूमिपूजन किया। लालघाटी के पास वीआईपी रोड किनारे 3 एकड़ में 6.99 करोड़ रुपए से पार्क विकसित होगा। वहीं, अमृत-2.0 के तहत 400.27 करोड़ रुपए के सीवेज प्रोजेक्ट की शुरुआत भी की गई। सीएम डॉ. यादव ने सीवेज प्रोजेक्ट के कार्यों का भूमिपूजन किया। वहीं, 3 करोड़ रुपए से खरीदी गई 4 सीवर कम जेटिंग मशीनों और पुरानी बसों को बस स्टॉप में तब्दील करने के कार्य का लोकार्पण भी किया। मंत्री विश्वास सारंग, सांसद आलोक शर्मा, विधायक रामेश्वर शर्मा, भगवानदास सबनानी, महापौर मालती राय, बीजेपी जिलाध्यक्ष रविंद्र यति, निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी, पूर्व जिलाध्यक्ष सुमित पचौरी, राहुल कोठारी भी मौजूद रहे।भूमिपूजन/लोकार्पण से पहले पं. दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर मुख्यमंत्री डॉ. एवं उपस्थित अतिथियों ने पुष्पांजलि भी अर्पित की। लालघाटी चौराहे के पास वीआईपी रोड पर 3 एकड़ जमीन है। यहीं पर नमोवन बनेगा। यह पार्क सोलर लाइट से रोशन होगा, जबकि फूड, टेनिस और बैडमिंटन कोर्ट बनेंगे। फव्वारे और झूले भी रहेंगे। ताकि, यहां घूमने आने वालों को आकर्षक नजारा दिखाई दें। दावा है कि ये भोपाल का सबसे सुंदर पार्क होगा।पिछले साल पार्क की डिजाइन बनी थी। फिर इसकी डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट अप्रूवल के लिए भेजी गई थी, जो मंजूर हो गई। पार्क में पूर्व प्रधानमंत्री पं. अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा भी लगेगी। बीजेपी जिलाध्यक्ष और एमआईसी मेंबर रविंद्र यति ने बताया, भूमिपूजन के साथ ही पार्क को डेवलप करने की प्रोसेस शुरू कर देंगे।

राजधानी का सबसे सुंदर पार्क होगा

एमआईसी मेंबर रविंद्र यति ने बताया कि नमोवन राजधानी का सबसे सुंदर पार्क होगा। लालघाटी चौराहे पर पं. दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा जिस जगह पर लगी है, उसके पास ही पार्क को विकसित करेंगे। अटलजी की प्रतिमा भी पार्क में लगेगी।

जिस जगह पर पार्क विकसित किया जाना है, वह अभी अनुपयोगी है। ऐसे में इस पर अवैध कब्जा होने की आशंका है। इसलिए निगम ने जमीन पर पार्क डेवलप करने का प्लान बनाया। यति ने बताया, पार्क की सुंदरता बढ़ाने के लिए तीन तरह के पेड़-पौधे लगाए जाएंगे। जिसमें फलदार, छायादार पौधे भी शामिल हैं। करीब 100 किस्म के फूलों के पौधे भी लगेंगे।

फिर बदला मौसम, 33 डिग्री पार पहुंचा पारा, कल से बढ़ सकती है ठंड

सिटी चीफ इंदौर।

भोपाल। मध्यप्रदेश के मौसम में लगातार उतार-चढ़ाव जारी है। जहां फरवरी माह में करके की ठंड शुरू हुई थी वही एक बार फिर से तापमान में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। दिन में अधिकतम तापमान 33 डिग्री पार पहुंच गया। वहीं रात के तापमान में भी बढ़ोतरी हुई है ज्यादातर जिलों का तापमान 10 डिग्री से ऊपर चल रहा है। गुना में एक ही दिन में पारा 5.4 डिग्री बढ़ गया। रतलाम-सिवनी में 33 डिग्री और मंडला में 33.5 डिग्री रहा। अधिकांश शहरों में पारा 30 डिग्री से ज्यादा ही रहा। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि ऐसा ही मौसम अगले 2 दिन और बना रहेगा। 13 फरवरी से सर्दी का दूसरा दौर आ सकता है। आज गर्मी का असर देखने को मिलेगा।

जाने क्यों बदल रहा मौसम

मौसम विभाग के सीनियर वैज्ञानिक वेद प्रकाश के अनुसार 8 फरवरी को एक वेस्टर्न डिस्टरबेंस उत्तर भारत पहुंचा था। इसके असर के कारण प्रदेश में उत्तर से सर्द हवाएं चल रही थी, जो अब लौट गई है। अब राजस्थान के पास एक प्रेरित चक्रवात (इंड्यूस साइसर) बन गया है। इसके कारण हवा का रुख बदल कर दक्षिणी हो गया है। ऐसे में उत्तर से सर्द हवा नहीं आ रही है। जिससे दिन-रात के पारे में बढ़ोतरी देखने को मिली है।प्रदेश में कुछ दिन पहले सर्द हवा की रफ्तार 36 से 40 किमी प्रतिघंटा तक पहुंच गई थी, लेकिन अब सर्द हवाएं नहीं आ रही है। इस वजह से गर्मी बढ़ गई है। फिलहाल जेट स्ट्रीम हवा का असर प्रदेश में नहीं है।

एक ही दिन में 5 डिग्री से ज्यादा बढ़ा तापमान

सोमवार को दिन के तापमान में खासी बढ़ोतरी देखने को मिली है। गुना में 5.4 डिग्री बढ़कर यह 32.5 डिग्री पर आ गया। मंडला सबसे गर्म रहा और यहां पारा 33.5 डिग्री रहा। रतलाम और सिवनी में 33 डिग्री दर्ज किया गया। इसी तरह बैतूल, धार, नर्मदापुरम, खरगोन, दमोह, खजुराहो और सतना में 31 डिग्री के पार रहा। खंडवा में 32.1 डिग्री, सागर में 32.2 डिग्री, गुना में 32.5 डिग्री दर्ज हुआ। बड़े शहरों की बात करें तो भोपाल में 31.4 डिग्री, इंदौर में 30.4 डिग्री, उज्जैन में 30.8 डिग्री, ग्वालियर में 29.1 डिग्री और जबलपुर में तापमान 30.6 डिग्री दर्ज किया गया। इसी तरह रात के तापमान में भी बढ़ोतरी देखने को मिली है।

मध्यप्रदेश बोर्ड की परीक्षा साल में दो बार कराने का कोई प्रस्ताव नहीं

भोपाल। रायपुर की तरह मध्यप्रदेश में भी शिक्षा विभाग छात्रों के लिए बोर्ड की परीक्षा में बदलाव कर सकता है। मगर यह बदलाव कब होगा यह अभी तय नहीं हैं। बोर्ड के अधिकारियों के अनुसार छात्रों को कन्फ्यूज होने की जरूरत नहीं है। हर साल की तरह छात्र सामान्य तरीके से इस साल भी एग्जाम देंगे, क्योंकि बोर्ड में अभी तक इसको लेकर कोई प्रस्ताव नहीं बना है। हालांकि अधिकारियों का यह भी कहना है कि इस संबंध में बोर्ड में सिर्फ विचार चल रहा है। एमपी बोर्ड के सचिव केडी त्रिपाठी का कहना है कि बोर्ड ने फिलहाल कोई प्रस्ताव तैयार नहीं किया है। मुख्य परीक्षा और उसके बाद की परीक्षा हर बार की तरह इस बार भी होगी। लेकिन दो बार आयोजित होने वाली परीक्षा अभी विचाराधीन है। इसे लागू नहीं किया गया है। गौरतलब है कि 2024 में एमपी बोर्ड की 10वीं और 12वीं परीक्षा में करीब 2.20 लाख छात्रों को पूरक परीक्षा का अवसर मिला था, जबकि 5.60 लाख छात्र फेल हुए थे। ऐसे में यह नया नियम छात्रों के लिए एक महत्वपूर्ण राहत साबित होगा।

मंत्री प्रहलाद पटेल का एक्स अकाउंट हैक, आपत्तिजनक सामग्री पोस्ट

सिटी चीफ इंदौर।

भोपाल। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल का एक्स अकाउंट हैक हो गया है। हैकर्स ने आपत्तिजनक सामग्री पोस्ट की है। मंत्री ने साइबर सेल में शिकायत दर्ज कराई है और जनता से सावधान रहने की अपील की है। मध्यप्रदेश के पंचायत मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल के सोशल मीडिया अकाउंट की सुरक्षा भंग हो गई है। उनका एक्स अकाउंट हैकर्स के निशाने पर आ गया। इस घटना के बाद मंत्री ने तुरंत कार्रवाई करते हुए भोपाल साइबर सेल में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने जनता से भी अपील की

है कि वे उनके एक्स अकाउंट से आने वाली किसी भी पोस्ट पर ध्यान न दें और सावधानी बरतें। हैकर्स ने मंत्री के एक्स अकाउंट से आपत्तिजनक सामग्री पोस्ट की है, जिससे लोगों में भ्रम की स्थिति पैदा हो सकती है। मंत्री ने स्पष्ट किया है कि इस सामग्री का उनसे कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने कहा है कि हैकर्स द्वारा पोस्ट की गई किसी भी लिंक, फोटो या वीडियो पर क्लिक न करें। यह आपके लिए नुकसानदेह हो सकता है।

मंत्री प्रहलाद पटेल ने एक संदेश जारी कर कहा कि दोस्तों, मेरा एक्स अकाउंट हैक कर लिया गया है। इससे कुछ आपत्तिजनक कंटेंट पोस्ट किया गया था, जो मेरी ओर से नहीं है। आप सभी से अनुरोध है कि मेरे अकाउंट से आने वाले किसी भी लिंक, फोटो या वीडियो पर क्लिक न करें। साइबर सेल भोपाल में इसकी शिकायत कर दी गई है। असुविधा के लिए खेद है। हैक किए गए अकाउंट पर एक पोस्ट में लिखा था- भारतीय कांग्रेस को घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि वह ब्लॉकचेन तकनीक का उपयोग करके अपना आधिकारिक डिजिटल टोकन लॉन्च करेगी, जिससे देश की डिजिटल क्रांति में एक नया अध्याय जुड़ेगा। हालांकि यह पोस्ट पूरी तरह से फर्जी है। ब्लॉकचेन एक डिजिटल तकनीक है जिसका इस्तेमाल क्रिप्टोकरेंसी जैसी चीजों में होता है। साइबर सेल अब इस मामले की जांच कर रही है और हैकर्स का पता लगाने की कोशिश कर रही है।

38वें राष्ट्रीय खेलों में मध्यप्रदेश को अब तक मिले 51 पदक

सिटी चीफ इंदौर।

भोपाल। उत्तराखंड में चल रहे 38वें राष्ट्रीय खेलों में प्रदेश के प्रतिभावान खिलाड़ियों ने 51 पदक जीत कर देशभर में चौथा स्थान हासिल किया है। इसमें प्रदेश के खिलाड़ियों ने 21 स्वर्ण, 13 रजत और 18 कांस्य पदक अर्जित किए। इस उपलब्धि पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश सभी क्षेत्रों में अपनी अलग पहचान बना रहा है। अनेक योजनाओं के क्रियान्वयन में प्रदेश ने महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। खेलों में भी मध्य प्रदेश इससे अछूता नहीं है। 38वें राष्ट्रीय खेलों में प्रदेश के प्रतिभावान खिलाड़ियों ने 51 पदक जीते हैं। साथ ही देशभर में चौथा स्थान हासिल किया है। यह मध्य प्रदेश के लिए सबसे बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने मध्य प्रदेश का गौरव बढ़ाने वाले सभी खिलाड़ियों को बधाई दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब राष्ट्रीय खेलों में सिर्फ पांच दिन

शेष हैं। हाल ही में नीलू यादव ने अपने बलबूते पर स्वर्ण पदक जीता है। इसे मिलाकर अब हमारे पास 21 गोल्ड हो गए।

राष्ट्रीय खेलों का समापन 14 फरवरी को हल्द्वानी में होगा। गत 28 जनवरी से अब तक कई प्रतियोगिताओं के निर्णय हो चुके हैं और अभी कई खेल प्रतियोगिताएं जारी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उम्मीद जताई है कि राष्ट्रीय खेल खत्म होते-होते अभी और भी पदक मध्यप्रदेश की झोली में आएंगे।मुख्यमंत्री ने मध्य प्रदेश में खेलों को बढ़ावा देने वाली नीतियों और खिलाड़ियों के बेहतर प्रशिक्षण व्यवस्थाओं की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश ने राष्ट्रीय खेलों में लगातार बेहतर प्रदर्शन करते हुए अब तक 21 स्वर्ण, 13 रजत और 18 कांस्य समेत कुल 51 पदक हासिल कर लिए हैं। अकेले वुशु गेम में ही प्रदेश को 9 पदक मिले हैं, जिनमें 6 स्वर्ण और दो रजत पदक शामिल हैं। हॉकी में प्रदेश की बहन-बेटियों ने पश्चिम बंगाल जैसी सशक्त टीम को हराकर इतिहास रच दिया। भोपाल की अकादमी में प्रशिक्षित दीक्षा ने 1500 मीटर दौड़ में रजत पदक अपने नाम किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्य प्रदेश की 9 करोड़ जनता की ओर से सभी पदक विजेताओं को बधाई दी एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

सम्पादकीय

क्या सीएम एन. बीरेन सिंह के इस्तीफे से शांत होगा मणिपुर?

नॉर्थ ईस्ट के राज्य मणिपुर में 3 मई 2023 से शुरू हुआ जातीय हिंसा का दौर थमता नहीं दिख रहा है। मणिपुर हिंसा को रोकने में नाकामयाब रहे सीएम बीरेन सिंह के इस्तीफे की विपक्ष लगातार मांग कर रहा था। इस बीच मणिपुर में नेतृत्व परिवर्तन की मांग को लेकर भाजपा की प्रदेश यूनिट में जारी खींचतान के बीच, मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने रविवार को राजभवन में राज्यपाल अजय कुमार भल्ला को अपना इस्तीफा सौंप दिया। राज्यपाल ने सिंह के साथ-साथ उनकी मंत्रिपरिषद का इस्तीफा भी स्वीकार कर लिया। इसके साथ ही उनसे अनुरोध किया कि वैकल्पिक व्यवस्था होने तक वे पद पर बने रहें।

नॉर्थ ईस्ट के राज्य मणिपुर में 3 मई 2023 से शुरू हुआ जातीय हिंसा का दौर थमता नहीं दिख रहा है। मणिपुर हिंसा को रोकने में नाकामयाब रहे सीएम बीरेन सिंह के इस्तीफे की विपक्ष लगातार मांग कर रहा था। इस बीच मणिपुर में नेतृत्व परिवर्तन की मांग को लेकर भाजपा की प्रदेश यूनिट में जारी खींचतान के बीच, मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने रविवार को राजभवन में राज्यपाल अजय कुमार भल्ला को अपना इस्तीफा सौंप दिया। राज्यपाल ने सिंह के साथ-साथ उनकी मंत्रिपरिषद का इस्तीफा भी स्वीकार कर लिया। इसके साथ ही उनसे अनुरोध किया कि वैकल्पिक व्यवस्था होने तक वे पद पर बने रहें। विपक्ष लंबे समय से बीरेन सिंह के इस्तीफे की मांग कर रहा था। एक नया विवाद तब खड़ा हो गया था जब सुप्रीम कोर्ट ने जातीय हिंसा में बीरेन सिंह की भूमिका का आरोप लगाने वाली लीक हुई ऑडियो क्लिप की प्रामाणिकता को लेकर एक सीलबंद फोरेंसिक रिपोर्ट मांगी थी। इस्तीफा देने से पहले बीरेन सिंह ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की थी। कांग्रेस विधानसभा में अविश्वास प्रस्ताव लाने पर चर्चा कर रही है। बीरेन सिंह कांग्रेस द्वारा प्रस्तावित अविश्वास प्रस्ताव से बचना चाहते थे, क्योंकि उन्हें अपनी पार्टी के विधायकों के समर्थन का भरोसा नहीं था। आखिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह को मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह का इस्तीफा मजबूरन लेना पड़ा। मणिपुर 3 मई, 2023 से जातीय हिंसा और हत्याओं के कारण जलता रहा है, लेकिन मुख्यमंत्री को बरकरार रखा गया। अब विरोध और बगावत अविश्वास प्रस्ताव तक आ गई है। बीती 3 फरवरी को भाजपा के 19 विधायकों समेत कुल 33 विधायक दिल्ली आए और प्रधानमंत्री तथा गृहमंत्री से मुलाकात कर मुख्यमंत्री बदलने का आग्रह किया। आगाह किया गया कि अविश्वास प्रस्ताव के साथ भाजपा विधायक भी मुख्यमंत्री के खिलाफ वोट कर सकते हैं। भाजपा के शीर्ष नेतृत्व को लगा कि 60 के सदन में करीब 35 विधायक विरोध में हैं, लिहाजा राज्य सरकार का पतन अपरिहार्य है। अंततः मुख्यमंत्री बीरेन सिंह को तलब कर उन्हें इस्तीफे के लिए आदेश देना पड़ा। यह ऐसा राजनीतिक इस्तीफा है, जो बहुत पहले ही अतिदेय था। मुख्यमंत्री बीरेन सिंह को यथावत क्यों पदासीन रखा गया, इसका रहस्य तो प्रधानमंत्री और गृहमंत्री ही जानते हैं। बगावत की चिंगारी लपटों में तब्दील हो सकती है, यह यथार्थ तो सितंबर-अक्टूबर में ही सामने आ गया था। तब भाजपा के 19 विधायक स्पीकर सत्यव्रत सिंह के नेतृत्व में प्रधानमंत्री और गृहमंत्री से मिले थे। उस दौरान महाराष्ट्र चुनाव के कारण मामला ठंडा कर दिया गया, लेकिन मणिपुर जलता रहा। राज्य में मैतेई और कुकी समुदायों के बीच जातीय तनाव इतना हिंसक हो गया कि अभी तक 250 से अधिक मौतें हो चुकी हैं। करीब 60,000 लोग बेघर हो चुके हैं। करीब 5000 घर जलाए जा चुके हैं। 386 धर्मस्थल तोड़े जा चुके हैं। भीड़ ने 3 मंत्रियों समेत 6 विधायकों के घर फूंक दिए। हिंसा के करीब 6000 मामले दर्ज हैं। इनमें 11 गंभीर मामलों की जांच सीबीआई कर रही है। 6745 लोग जेल में कैद हैं। ये सभी सरकारी आंकड़े हैं। असली डेटा भिन्न और ज्यादा हो सकता है। मणिपुर वीभत्स होता गया है। वैसे मणिपुर में हिंसा और हत्याओं के दौर कांग्रेस सरकारों के दौरान भी देखे गए हैं, लेकिन मौजूदा दौर में महिलाओं को सरेआम नग्न कर सडकों पर घुमाया गया। इससे अधिक असामाजिक, अराजक और शर्मनाक हालात क्या होंगे! लेकिन मुख्यमंत्री बरकरार रहे और सत्ताओं के खेल जारी रखे गए। मणिपुर का मुद्दा संसद में भी पुरजोर तरीके से गूंजता रहा। चुनावों के दौरान भी कभी-कभार सुना गया, लेकिन 21 महीने तक यह नरक क्यों उबलता रहा, शायद ही देश को कभी इसका जवाब मिल सके!

महंगाई के डर पर ग्रोथ के संकल्प की जीत

एक लंबे समय तक भारतीय रिजर्व बैंक ने रेपो रेट को लगातार बढ़ाने के बाद पहली बार रेपो दर में 0.25 प्रतिशत की दर में कटौती करते हुए उसे 6.5 प्रतिशत से घटाकर 6.25 किया है। यह फैसला हाल ही में संपन्न मौद्रिक नीति समिति की बैठक में किया गया। जानकारों का मानना है कि इससे उधार सस्ता हो जाएगा, जिससे हाऊसिंग और अन्य प्रकार के उधारों पर ईएमआई कम हो जाएगी, जिससे हाऊसिंग और उपभोक्ता मांग को बल मिलेगा।

एक लंबे समय (लगभग पांच साल) तक भारतीय रिजर्व बैंक ने रेपो रेट को लगातार बढ़ाने के बाद पहली बार रेपो दर में 0.25 प्रतिशत की दर में कटौती करते हुए उसे 6.5 प्रतिशत से घटाकर 6.25 किया है। यह फैसला हाल ही में संपन्न मौद्रिक नीति समिति की बैठक में किया गया। जानकारों का मानना है कि इससे उधार सस्ता हो जाएगा, जिससे हाऊसिंग और अन्य प्रकार के उधारों पर ईएमआई कम हो जाएगी, जिससे हाऊसिंग और उपभोक्ता मांग को बल मिलेगा। साथ ही साथ बिजनेस के लिए भी उधार सस्ता हो सकेगा, जिससे ग्रोथ को गति मिल सकेगी। हाल ही में मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) के तीन सदस्यों का कार्यकाल पूरा होने के बाद सरकार ने एमपीसी में तीन नए सदस्यों की नियुक्ति की है। हालांकि यह पता नहीं चल पाया है कि किसने क्या कहा, लेकिन ऐसा लगता है कि नए सदस्यों के साथ-साथ कुछ पुराने सदस्यों ने भी रेपो रेट में कटौती का समर्थन किया है। उल्लेखनीय है कि पिछली दो एमपीसी बैठकों में, बाह्य सदस्यों अशिमा गोयल और जयंत वर्मा ने दरों में कटौती के पक्ष में मतदान किया था, तथा तर्क दिया था कि आरबीआई द्वारा दरें ऊंची रखने पर जोर देने से विकास को नुकसान हो रहा है। जबकि अन्य चार सदस्य इसके खिलाफ थे। स्पष्ट है कि एमपीसी में नए सदस्यों के आने से रेट घटाने का रास्ता साफ हो गया। इस बार महंगाई के थोड़ा कम होने से रेपो दर में 0.25 प्रतिशत बिंदु की कमी की गई है। भविष्य में महंगाई दर कम रहने के संकेत और अनुमान के साथ रेपो रेट में और कटौती की उम्मीद की जा सकती है, जिससे मांग में विस्तार से अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा।

ब्याज दरों में बदलाव या ठहराव देश की मौद्रिक नीति का एक मुख्य आयाम होता है, और इन्हें देश का केंद्रीय बैंक यानी भारतीय रिजर्व बैंक निर्धारित करता है। दुनियाभर में नीतिगत ब्याज दरें अर्थव्यवस्था में एक महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करती हैं। इसमें बैंक दर, रेपो दर, रिवर्स रेपो दर आदि शामिल होते हैं। 2016 में सरकार ने निर्णय लिया कि ब्याज दर का निर्धारण मौद्रिक नीति समिति करेगी, जिसमें रिजर्व बैंक के गर्वनर से अलावा 6 सदस्य होते हैं। बराबर के वोट होने पर रिजर्व बैंक के गर्वनर का वोट निर्णायक होता है। मौद्रिक नीति समिति 27 जून 2016 को पहली बार अस्तित्व में आई। मौद्रिक नीति समिति के लिए यह निर्धारित किया गया कि वो देश में महंगाई की दर को ध्यान में रखते हुए ही ब्याज दर का निर्धारण करेगी। यह तय किया गया कि महंगाई दर को 4 प्रतिशत, जमा-घटा 2 प्रतिशत की सीमा में रखने का लक्ष्य रखा जाए। इसे तकनीकी भाषा में महंगाई लक्ष्य यानी इनफ्लेशन टारगेटिंग कहा जाता है। सामान्यतः भारतीय रिजर्व बैंक मुद्रास्फीति के बारे में अपनी धारणा के आधार पर ब्याज की नीतिगत दरों की घोषणा करता है। लेकिन इसके साथ ही अर्थव्यवस्था में ऋण की मांग और आपूर्ति पर भी इसे नजर रखनी होती है। इस मामले में भारतीय रिजर्व बैंक का मुख्य उद्देश्य मुद्रास्फीति को उसकी सीमा के बाहर जाने से रोकना है। हालांकि इनफ्लेशन टारगेटिंग तो 2016 से ही शुरू हुई थी, लेकिन 2014 से पहले, भारतीय रिजर्व बैंक मुद्रास्फीति को लक्षित करने के लिए थोक मूल्य सूचकांक का उपयोग कर रहा था। 2014 में, जब रघुराम राजन भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर थे, तब भारतीय रिजर्व बैंक के तत्कालीन डिप्टी गवर्नर उर्जित पटेल की अध्यक्षता में एक समिति ने मुद्रास्फीति को लक्षित करने के लिए थोक मूल्य सूचकांक के बजाय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के उपयोग की सिफारिश की थी। उल्लेखनीय रूप से, उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में खाद्य उत्पादों का भार 46 प्रतिशत होता है, जबकि थोक मूल्य सूचकांक में खाद्य उत्पादों (निर्मित खाद्य उत्पादों सहित) का भार केवल 30 प्रतिशत ही होता है। यानी कहा जा सकता है कि मौद्रिक नीति समिति द्वारा अब उपभोक्ता मूल्य सूचकांक का उपयोग अनिवार्य हो गया, जिसमें खाद्य उत्पादों का भार ज्यादा होता है। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए सरकार को विरासत में ही ऊंची मुद्रास्फीति मिली थी।

उपभोक्ता मूल्य सूचकांक और थोक मूल्य सूचकांक दोनों ही तेजी से बढ़ रहे थे। यूपीए सरकार के अंतिम 3-4 सालों (जुलाई 2011-2014 तक) में ऊंची मुद्रास्फीति के चलते रेपो रेट काफी अधिक 7.25 से 8.5 प्रतिशत तक बनी रही। विरासत में मिली 8.00 प्रतिशत रेपो रेट को एनडीए सरकार के शुरुआती वर्षों, महंगाई के थमने के साथ अगस्त 2017 तक 6.00 प्रतिशत तक लाया गया। लेकिन 2016 में मौद्रिक नीति समिति के अस्तित्व में आने के बाद थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति में कमी आने के बावजूद सीपीआई मुद्रास्फीति लक्ष्य पर आधारित रेपो दर बढ़ने लगी। थोड़ा बढ़ते-घटते यह जून 2019 में 6.00 से 6.5 प्रतिशत तक उच्च स्तर पर बनी रही। एनडीए सरकार के बाद के वर्षों में, सीपीआई में भी काफी गिरावट आई थी, और यह 3 प्रतिशत से भी कम पर बनी रही। मई 2020 और मई 2022 के बीच लंबी अवधि में रेपो दर मात्र 4.00 प्रतिशत के निम्न स्तर पर बनी रही। लेकिन उसके बाद मुद्रास्फीति और खास तौर पर सीपीआई मुद्रास्फीति की ऊंची दर के चलते रेपो दर लगातार बढ़ते हुए फरवरी 2023 तक 6.5 प्रतिशत तक पहुंच गई और पिछली मौद्रिक नीति समिति की बैठक तक इसी स्तर पर बनी रही। हालांकि इस दौरान थोक मुद्रास्फीति कई बार नीचे भी आई, लेकिन सीपीआई मुद्रास्फीति लक्षित मौद्रिक नीति के चलते रेपो रेट को मौद्रिक नीति समिति ने नहीं घटाया।

मुद्रास्फीति लक्षित मौद्रिक नीति पर मतभेद = कई अर्थशास्त्रियों ने अब सीपीआई आधारित मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण पर सवाल उठाना शुरू कर दिया है। हालांकि, मुद्रास्फीति को नियंत्रित रखना महत्वपूर्ण है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि आम जनता मुद्रास्फीति से परेशान न हो, क्योंकि इसका सबसे अधिक असर गरीबों पर पड़ता है, लेकिन मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण के आधार के रूप में सीपीआई या यहां तक कि डब्ल्यूपीआई की उपयुक्तता पर सवाल उठाए जा रहे हैं। सर्वप्रथम, मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण का विचार पश्चिम से आयातित विचार है। हम समझते हैं कि भारत जैसे विकासशील देश में मौद्रिक नीति के उद्देश्यों में विकास, रोजगार और गरीबों तथा वंचितों का उत्थान शामिल है। इन उद्देश्यों को संबोधित किए बिना कोई भी मौद्रिक नीति पूरी नहीं होती है। दूसरा, अगर हम देखें तो ऐसे कई मौके आए हैं, जब एमपीसी द्वारा सीपीआई आधारित मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण का पूर्णरूपेन पालन करने के बावजूद, मुद्रास्फीति न केवल नियंत्रित नहीं हुई, बल्कि कई मौकों पर 6 प्रतिशत के लाल निशान को भी पार कर गई। यह इस तथ्य को साबित करता है कि डब्ल्यूपीआई की तुलना में सीपीआई सही लक्ष्य नहीं है। हम समझते हैं कि सीपीआई खाद्य कीमतों से काफी प्रभावित होता है। तीसरा, हालांकि अकेले सीपीआई, मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण के लिए उपयुक्त एंकर नहीं लगता है, थोक मूल्य सूचकांक भी सर्वथा उचित लक्ष्य नहीं है। इसलिए कुछ लोग सुझाव देते हैं कि इन दो सूचकांकों का अवश्य ही संयोजन या मिश्रण होना चाहिए।

जबकि विकासशील देश मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण के बारे में बहस कर रहे हैं, न केवल मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण की अनिवार्यता के बारे में, बल्कि विकासशील देशों के लिए मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण के लिए अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष सीपीआई लक्षित मौद्रिक नीति हेतु दबाव डाल रहा है। यह कुछ ऐसा है, जो आपत्तिजनक है। बहरहाल रेपो दर मे करीब पांच साल में पहली बार कटौती के बाद होम लोन की मासिक किस्त (ईएमआई) चुका रहे लोग ब्याज दरें घटने की उम्मीद कर सकते हैं। फ्लोटिंग दर पर होम लोन लेने वालों को रेपो दर में कटौती का लाभ ऑटोमेटिक मिल जाता है, जबकि अन्य उधारकताओं को राहत पाने के लिए अपने कर्जदाता से बातचीत करनी पड़ सकती है। आरबीआई के इस फैसले के बाद बैंक और अन्य वित्तीय संस्थान भी कर्ज की ब्याज दरें घटाएंगे, जिससे ईएमआई का बोझ कम हो सकता है। प्रमुख नीतिगत दर में कमी उन लोगों के लिए भी फायदेमंद होगी, जो नया घर खरीदना चाहते हैं।

होम लोन की दरें जो पहले 8.30-8.50 फीसदी के आसपास थीं, रेपो दर में कटौती के बाद कम हो जाएंगी। इससे स्थिर आय और 750 से अधिक क्रेडिट स्कोर वाले उधारकताओं को सबसे कम ब्याज पर कर्ज मिलने की संभावना है। महिलाओं, सरकारी कर्मचारियों और प्रीमियम प्रॉपर्टी खरीदारों को भी सस्ती दरों पर कर्ज मिल सकता है।

मिटते लाल गलियारे में घिरते और घुटने टेकते नक्सली

छत्तीसगढ़ के बीजापुर में रविवार को सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में 31 नक्सली मार गिराए गए। छत्तीसगढ़ वह राज्य है, जहां पहले माओवाद का नामोनिशान नहीं था। नक्सली मूलतः पश्चिम बंगाल, अविभाजित बिहार और आंध्र प्रदेश में पीपुल्स वार ग्रुप के नाम से अपना संगठन चलाते थे। जब इन राज्यों में उन पर दबाव बना, तो वे भागकर मध्य भारत आ गए। चूंकि यहां के जंगल काफी घने हैं, इसलिए यह जगह उन्हें मुफीद लगी। पहले उन्होंने स्थानीय आदिवासियों का भरोसा जीता, फिर बिहार और मध्य प्रदेश के बंटवारे के बाद झारखंड व छत्तीसगढ़ में अपना आधार फैलाया। चूंकि बंटवारे की प्रक्रिया में छोटे राज्यों के खाते में कम संसाधन आते हैं, इसलिए शुरूआत में छत्तीसगढ़ की स्थिति ऐसी थी कि बस्तर में एक सब-इंस्पेक्टर, एक हेड कांस्टेबल व छह सिपाही के भरोसे अधिकतर थाने चला करते थे। माओवादियों ने इनको निशाना बनाना शुरू किया, जिसके कारण दंडकारण्य में उनका खासा प्रभाव दिखने लगा।

जम्मू-कश्मीर या पंजाब के अलगाववादियों के उलट इन्हें बाहर से हथियार नहीं मिलते, इसलिए ये अपने दुश्मनों से हथियार लूटते हैं। जेलों व थानों पर हमले इसीलिए किए जाते रहे। जमींदारों से हथियार लूटे गए। चूंकि इन इलाकों में खनन का कार्य भी होता है, जिसमें विस्फोटक की जरूरत पड़ती है, अतः नक्सली खननकर्मियों को डरा-धमकाकर हासिल किए गए विस्फोटकों से आईईडी बनाने लगे। जब इनका प्रभाव काफी बढ़ने लगा, तो करीब दो दशक पहले केंद्र सरकार ने विशेष प्रयास करना शुरू किया। स्थानीय पुलिस को मजबूत बनाने की कोशिशें तेज हुईं। केंद्रीय सुरक्षा बल भी नियुक्त किए जाने लगे। 2013-14 में जब मैं सीआरपीएफ में डीजी था, तब छत्तीसगढ़ की स्थिति बहुत दयनीय थी। मगर अगले आठ-दस वर्षों में स्पेशल कमांडो तैयार किए गए, सीआरपीएफ ने कोबरा बटालियन गठित की और बुनियादी ढांचे को मजबूत किया गया।

इन तमाम रणनीतियों का ही नतीजा है कि अब हम नक्सलियों को घुटने पर लाने लगे हैं। बेशक, कभी नक्सली कहा करते थे कि पशुपति से तिरुपति तक लाल गलियारा बनेगा, लेकिन आज हालत यह है कि नेपाल और आंध्र प्रदेश में तो यह खत्म हो चुका है। छत्तीसगढ़ में इसका कुछ असर बचा है और विशेषकर दक्षिण बिहार, ओडिशा व झारखंड के कुछ थानों में इनकी सक्रियता देखी जा रही है। हालांकि, बीते 20-25 वर्षों में हमारे सुरक्षा बलों ने खूब मेहनत की है और हम यह उम्मीद बांधने लगे हैं कि दो साल के भीतर नक्सलियों का अंत हो जाएगा। हां, कभी-कभी 'कंगारू कोर्ट' जैसी घटनाएं सामने आ सकती हैं।

नक्सलियों से निपटने के लिए वक्त-वक्त पर हमने विशेष रणनीति बनाई है। मुझे याद है, वर्ष 2008 में बतौर गृहमंत्री पी चिदंबरम ने छत्तीसगढ़ में एक बैठक की थी, जिसमें मैं उत्तरप्रदेश पुलिस की तरफ से शामिल हुआ था। उसमें यह बात उठी थी कि संवेदनशील थानों के पास गाड़ियां नहीं हैं और सुरक्षा बल जिन बड़ी गाड़ियों का इस्तेमाल करते हैं, उनको आईईडी ब्लास्ट में नक्सली उड़ा देते हैं। तब तय हुआ था, मोटरसाइकिल से पेट्रोलिंग की जाएगी। वर्ष 2014 में राजनाथ सिंह जब गृह मंत्री की हैसियत से झारखंड गए थे और मौसम खराब था, तब वह खुद मोटरसाइकिल चलाते हुए नक्सली इलाकों में गए थे, जो उन दिनों अखबारों की सुर्खियां बनी थीं। कहने का अर्थ है कि समय के साथ हमने खुद को मजबूत बनाया है, जिसके कारण यह स्थिति बनी है। अब जरूरत यह है कि जो थोड़ी-बहुत सहायता नक्सलियों को मिलती है, उनको भी बंद किया जाए। सड़क व पुल जैसे बुनियादी ढांचे पर अधिकाधिक काम तो हो ही, ताकि सुरक्षा बल सघन इलाकों में आसानी से पहुंच सकें। साथ ही, नक्सलियों तक पहुंचने वाली विस्फोटकों की खेप रोकी जाए। इसके लिए खनन-कार्य में इस्तेमाल होने वाली विस्फोटक के बैग और ट्रकों पर आरएफआईडी टैग लगाने का एक सुझाव है, ताकि यह पता चल सके कि किस-किस खनन-स्थल से माओवादी विस्फोटक लेते हैं। चूंकि नक्सली अब हथियारों को नहीं लूट पा रहे, ऐसे में यदि विस्फोटकों तक उनकी पहुंच रुक जाए, तो वे खुद काफी हद तक निष्क्रिय हो जाएंगे।

सामाजिक समरसता और समानता के प्रेरणास्रोत संत रविदास

महान संत रविदास आज अपने समय से भी कही ज्यादा प्रासंगिक हैं तो इसीलिए क्योंकि वे सामाजिक समरसता के संवाहक हैं। भक्ति आंदोलन के प्रमुख संतों में से एक संत रविदास ने जाति और भेदभाव के विरुद्ध उस समय पुरजोर आवाज उठायी थी, जब इसे जीवन का सहज हिस्सा माना जाता था। अपने समय में संत रविदास ने गैरबराबरी के विरुद्ध अपनी शिक्षाओं से सकारात्मक परिवर्तन की दिशा में कदम बढ़ाए, जो आज भी कारगर हैं। संत शिरोमणि रविदास विशेष रूप से इस देश के कमजोर और हाशिये के समुदायों के लिए सदैव प्रेरणादायक रहे हैं। सामाजिक समरसता का संदेश देने वाली उनकी कविताएं आज भी उतना ही महत्व रखती हैं, जितना उस समय रखती थीं, जब इन्हें उस महान संत ने रचा था।

संत रविदास का मानना था कि जन्म से कोई ब्राह्मण और न कोई शूद्र होता है। हर कोई अपने कर्म से छोटा या बड़ा होता है। गृहस्थाश्रम में रहते हुए रैदास उच्चकोटि के विरक्त संत थे। उन्होंने अपना सारा जीवन सामाजिक समरसता का गुणगान करते हुए बिताया था। संत रविदास के 40 पद गुरुग्रंथ साहिब में शामिल हैं, जिनका संपादन गुरु अर्जुन देव ने किया था। संत रविदास के कई भजन आज भी श्रद्धाभाव से गाए जाते हैं, जैसे-

प्रभु जी तुम चंदन हम पानी

जाकी अंग अंग बास समानी

जातिवाद और अंधविश्वास के खिलाफ संत रविदास ने जो अलख 15वीं सदी में लगायी थी, उस अलख का प्रभाव आज भी मौजूद है। रविदास जयंती (12 फरवरी) संत रविदास जी के जन्मदिन का प्रतीक है। संत रविदास का जन्म माघ पूर्णिमा के दिन सवंत 1433 में काशी के सीर गोवर्धन गांव में रहने वाले एक चर्मकार के परिवार में हुआ था। उनके पिता रघु चर्मकार थे और मां घुरविनिया गृहणी थीं। संत रविदास बचपन से ही धार्मिक प्रवृत्ति के थे, साधु संतों की संगति उन्हें बहुत प्रिय थी। उनकी प्रारंभिक शिक्षा गांव के एक स्थानीय गुरु से हुई, लेकिन उनका ज्ञान बचपन से ही आध्यात्मिकता से ओतप्रोत था। जाति प्रथा के उन्मूलन के प्रयास में अपनी पूरी जिंदगी लगा देने वाले संत रविदास, संत कबीर के दोस्त थे। सिख पंथ में उन्हें संत शिरोमणि की पदवी दी गई है। जात-पात का खंडन करके आत्मज्ञान का मार्ग दिखलाने वाले संत रविदास जी का कोई गुरु नहीं था। कुछ लोगों के मुताबिक वह बौद्ध परंपरा के अनुयायी और प्रच्छन्न बौद्ध थे। वह जिस तरह जात-पात पर विश्वास नहीं करते थे, उसी तरह से कर्मकांड पर भी भरोसा नहीं करते थे। वह दिनभर अपने व्यवसाय में तत्पर रहते थे और लोगों को उपदेश देते थे।

'मन चंगा तो कठौती में गंगा' उन्हीं की मशहूर उक्ति है। कुछ लोग उनसे चलकर गंगा में स्नान करने का जब आग्रह करते थे, तो उनका कहना होता था कि अगर आपका मन साफ है तो उनकी इसी कठौती में गंगा मौजूद है। संत रविदास कवि संत थे। वह राम, कृष्ण, करीम, राघव सबको ही पिता परमेश्वर समझते थे और मानते थे कि वेद, पुराण और कुरआन में एक ही परमेश्वर का गुणगान है। संत रविदास जी की ख्याति उनके सरल स्वभाव और सहज आध्यात्मिक ज्ञान के कारण फैली थी।

वो बेहद कर्मठ और हमेशा भक्तिभाव में डूबे रहने वाले थे। उन्होंने बहुत सरल भाषा में अपनी कविताएं रचीं। मुख्यतः ब्रज और अवधी में। संत रविदास सिर्फ धार्मिक संत ही नहीं बल्कि समाज सुधार में आगे रहने वाले सामाजिक क्रांतिकारी थे। उन्होंने अपने छल-कपट रहित जीवन से लोगों के मन और मस्तिष्क बदले थे। उन्होंने हमेशा प्रेम, समानता और ईश्वर भक्ति पर जोर दिया। आज संत रविदास के प्रति लोगों में बहुत आदर इसलिए है, क्योंकि जो समुदाय उन्हें अपना प्रेरक अगुवा मानता है, वह उनकी शिक्षाओं से जागरूक और सशक्त बन चुका है।

सेफ इंटरनेट डे पर जागरूकता अभियान

पुलिस द्वारा साइबर सुरक्षा मेला का पुलिस लाइन ग्राउंड मे किया गया आयोजन

सुनील यादव । सिटी चीफ कटनी, डिजिटल युग में बढ़ते साइबर अपराधों से बचाव और जागरूकता को लेकर कटनी पुलिस द्वारा सेफ इंटरनेट डेज्ज् के अवसर पर साइबर सुरक्षा मेलाज्ज् का समापन कार्यक्रम आयोजित किया गया । एसपी अभिजीत कुमार रंजन के द्वारा आयोजित इस समापन मेले में नागरिकों को ऑनलाइन ठगी, डिजिटल फ्रॉड, सोशल मीडिया सुरक्षा, बैंकिंग फ्रॉड से बचाव जैसी महत्वपूर्ण जानकारियाँ दी गईं।

इस संबंध मे प्राप्त जानकारी के अनुसार पुलिस महानिदेशक मध्यप्रदेश के निर्देश पर मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा दिनांक 01.02.2025 से 11 दिवसीय सायबर सुरक्षा जागरूकता अभियान सेफ क्लिकज्ज् आयोजित किया जा रहा है। जिसके तहत कटनी मे भी उक्त कार्यक्रम के अनुक्रम में पुलिस अधीक्षक कटनी अभिजीत कुमार रंजन के निर्देश पर जिले के समस्त थाना क्षेत्रों में सार्वजनिक स्थानों पर साइबर सुरक्षा पर पोस्टर प्रतियोगिता एवं साइबर सुरक्षा संकल्प शपथ व साइबर जागरूकता संबधी संबंधी कार्यक्रम आयोजित किये गये। जिले के स्कूल कॉलेज में साइबर सुरक्षा से संबंधित चित्रकला एवं पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई। एक फरवरी से जिले में चल रहे साइबर सुरक्षा जन जागरूकता अभियान का 11 फरवरी को समापन कार्यक्रम के दौरान उपस्थित छात्र-छात्राओं को साइबर सुरक्षा से संबंधित जानकारी देकर जागरूक किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों से पुलिस अधिकारियों ने संवाद करते हुए इंटरनेट का उपयोग सावधानीपूर्वक किये जाने, अनजान लिंक पर क्लिक न करें, अपना पासवर्ड, ओटीपी, आधार नम्बर किसी के साथ शेयर न करने एवं अपनी पहचान गोपनीय बनाये रखने साथ ही कार्यक्रम में उपस्थित छात्र-छात्राओं को मोबाइल के दुरुपयोग तथा साइबर फ्रॉड, डिजिटल अरेस्ट, पॉलिसी फ्रॉड, गेम फ्रॉड के संबंध में अवगत कराया गया। साइबर जागरूकता समापन कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक अभिजीत कुमार रंजन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉक्टर संतोष डेहरिया, नगर पुलिस अधीक्षक ख्याति मिश्रा, समस्त थाना क्षेत्र के थाना एवं चौकी प्रभारी, सहित जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक तथा अन्य पुलिस अधिकारी व कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं और आमजन सम्मिलित हुए।

चाकू लहराते युवक का वीडियो वायरल

पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार, हिरवारा गांव का मामला

सुनील यादव । सिटी चीफ कटनी, एनकेजे थाना अंतर्गत हिरवारा गांव में चाकू लहराते एक युवक का वीडियो वायरल होने के बाद हड़कंप की स्थिति बन गई। सूचना मिलने के बाद एनकेजे पुलिस हरकत में आई और मौके पर पहुंचकर आरोपी को गिरफ्तार किया। थाना प्रभारी अनिल यादव ने बताया कि सोशल मीडिया के माध्यम से आरोपी के संबंध में जानकारी मिली थी। जिसके बाद जांच शुरू की गई, तो आरोपी की पहचान शुभम उर्फ मान्या तिवारी (27) निवासी हिरवारा के रूप में हुई। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम को मौके पर भेजा गया। जिसने घेराबंदी करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है।

मजदूरों को धमका रहा था आरोपी हिरवारा में आग ताप रहे मजदूरों को चाकू से धमका रहा था। वीडियो आने के बाद आरोपी की तलाश शुरू की गई। इसके बाद आरोपी को पकड़ा गया। इसके पास धारदार चाकू जब्त हुआ है। उससे पुलिस द्वारा पूछताछ किया गया है।

सुरक्षित इंटरनेट दिवस पर साईबर सेल द्वारा दी गई महत्वपूर्ण जानकारियां - विधायक उमादेवी खटीक

बच्चे यदि मोबाईल देख रहे हैं तो मातायें-बहिनें एक बार जरूर देखें की बच्चे क्या देख रहे हैं-जिला पंचायत अध्यक्ष रंजीता पटैल

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, सुरक्षित इंटरनेट दिवस पर खासकर बेटियों, महिलाओं और युवा के बीच-एक साथ बेहतर इंटरनेट विषय पर आयोजित कार्यक्रम विधायक हटा उमादेवी खटीक एवं जिला पंचायत अध्यक्ष रंजीता गौरव पटैल की गरीमामयी मौजूदगी में संपन्न हुआ। शासकीय स्नात्कोत्तर महाविद्यालय (पी.जी.कॉलेज), दमोह के सभागार में आयोजित इस कार्यशाला में अपर कलेक्टर मीना मसराम ने अतिथियों का स्वागत पौधा भेंट कर किया। सुरक्षित इंटरनेट दिवस पर हटा विधायक उमादेवी खटीक ने उपस्थित बेटियों-महिलाओं को सम्बोधित करते हुये कहा साइबर सेल सुरक्षा आयोजन कार्यक्रम बहुत अच्छा कार्यक्रम है, इस तरह के जागरूकता कार्यक्रम बहुत आवश्यक है। जब हम घर से बाहर निकलते हैं, हमें कई परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है, हमें जागरूक होना पड़ेगा, महिलायें तो जागरूक रहती है, हमारे आने वाली पीढ़ी, हमारी बेटियां इनको भी जागरूक होने की आवश्यकता है। विधायक खटीक ने कहा दूरसंचार से जुड़कर मोबाइल के माध्यम से हम हर प्रकार के कार्य कर लेते हैं, हमको यह नहीं मालूम होता है हम उसमें दुरूपयोग भी कर रहे है और सदुपयोग भी कर रहे हैं, जो आज यहां समझाया गया है महिलाओं को बच्चियों को बहुत अच्छी जानकारी दी गई है, यह कार्यक्रम स्कूल कॉलेज के साथ ब्लॉक स्तर भी आयोजित किये जायें जिससे आमजन भी जागरूक हो सकें और हमारे जो ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को इंटरनेट उपयोग में जागरूकता आएगी, निर्भय होकर इंटरनेट का उपयोग कर पायेंगे। जिला पंचायत अध्यक्ष रंजीता गौरव पटैल ने कहा साइबर सेल सुरक्षा यह कार्यक्रम

लगातार चल रहा है, अवेयरनेस कार्यक्रम है, हमारी बेटियों को अवेयरनेस किया जा रहा है, इस संबंध में जानकारी आज साईबर सेल की टीम द्वारा दी गई है। उन्होंने कहा विगत दिनों में केएन कालेज गई थी वहां पर बेटियों को लिये कार्यशाला आयोजित की गई थी कि रोजगार के मामले में बेटियां कैसे आगे बढ़ सकें, आज में केन्द्र और राज्य शासन को धन्यवाद देती हूं कि यह कार्यशाला महिलाओं के लिये रखी गई है। ग्रामीण क्षेत्र में देखा गया है कि मोबाइल हम रख तो लेते हैं लेकिन यह हमें समझ में नहीं आता कि इसमें क्या उपयोगी है और क्या अनुपयोगी है। उन्होंने खासतौर पर बेटियों से कहा अपना मोबाइल नंबर, आधार नंबर, यह सब वेबसाइट पर ना डालें, यह सब जो सुरक्षित वेबसाइट हैं, उनका ही उपयोग करें। बेटियों के लिये शिक्षा में मोबाइल उपयोगी है लेकिन में कहना चाहती हूं कि अपनी पर्सनल जानकारी वेबसाईट पर ना डालें। भारत सरकार की कुछ वेबसाईट है, उनका उपयोग कर सकते हैं, जिस पर हमें अच्छी जानकारियों आसानी से मिल सकती है, उन वेबसाईटों का हमें उपयोग करना चाहिये। देखा गया है कुछ महिलायें रील्स आदि का उपयोग करते करते अनुपयोगी साईट पर चली जाती है, इससे हमें बचना चाहिये। बच्चे यदि मोबाईल देख रहे हैं तो मातायें-बहिनें एक बार जरूर देखें की बच्चे देख क्या रहे है। ऑनलाईन पढ़ने वाले बच्चों के मोबाईल जरूर देखना चाहिये। साईबर सेल प्रभारी टीआई रचना मिश्रा ने बताया आज गवर्नमेंट पीजी कॉलेज में इंटरनेट दिवस के उपलब्ध में आयोजित कार्यशाला में सुरक्षित इंटरनेट के लिए इंटरनेट से कैसे सुरक्षित रहें, कार्यशाला आयोजित की गई थी, बच्चियों को बताया गया है, खासकर महिलाओं को भी बताया गया है, वीडियो दिखाया गया है, जो सेफ्टी के लिए था महिलाओं के लिए बताया गया है कि किस तरह वह सोशल मीडिया का उपयोग करें। साइबर क्राइम से सुरक्षित रहे, सोशल मीडिया के माध्यम से नए-नए फ्रेंड्स बनाते हैं अनजान लोगों से बात करते हैं, महिलायें कई बार फोटो शेयरिंग कर दी जाती है और वह बाद में ब्लैकमेलिंग या किसी भी अन्य साइबर क्राइम का शिकार हो जाती है, इसके संबंध में हमारी पूरी टीम द्वारा बताया जा रहा है और वीडियो के माध्यम से दिखाया जा रहा है, जैसे कि हेल्पलाइन नंबर 1930 का उपयोग करें। अपनी सोशल मीडिया प्रोफाइल को लॉक करके रखें, कैसे प्राइवेट ऑप्शन का यूज करके अपनी निजी जानकारी को पर्सनल रखें यह सारे ऑप्शन के बारे में बताया गया है। अभी जो वर्तमान में अपराध चल रहा है शोषण हो रहा है, वीडियो के माध्यम से डिजिटल अरेस्ट के माध्यम से किस तरीके से सुरक्षित रखना है, सेफ्टी के क्या-क्या पॉइंट है, इसके बारे में डिटेल से जानकारी दी गई है। इस अवसर पर टीआई रजनी शुक्ला ने भी सुरक्षित इंटरनेट के बारे में अपने विचार रखे। साईबर क्राईम टीम के सौरभ टंडन ने बताया 11 फरवरी को सेफ इंटरनेट दिवस पर साईबर टीम के द्वारा सुरक्षित इंटरनेट के बारे में जानकारी दी है, उसमें अपने पासवर्ड को कैसे सुरक्षित रखना है, कैसे पासवर्ड बनाना है, कैसे त्त्क्र के माध्यम से, कैसे आपको अवेयर रहना है, अपनी फेसबुक प्रोफाइल को कैसे सुरक्षित रखना है, इसके बारे में जानकारी सभी को दी हुई है, यह भी बताया है ,सेफ रहे है, सुरक्षित रहे जो फेक साइड है, उनको कैसे जानना है, कौन सी फेक है कौन सी ओरिजिनल साइड है , उनको समझकर उपयोग करना है, सतर्क रहें सुरक्षित रहें यही हम लोगों का नारा है। कार्यक्रम के दौरान दीक्षा राय ने इंटरनेट के बारे में अपनी बात रखते हुये हमेशा पॉजीटिव्ह सोच रखने की बात कही। कार्यक्रम को दुर्गेश मिश्रा ने भी सम्बोधित किया और सुरक्षित साईबर के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इसके पूर्व जिला सूचना एवं विज्ञान अधिकारी दमोह योगेन्द्र सिंह ठाकुर तथा सुरक्षित इंटरनेट प्रस्तावना पर व्याख्यान डी.आर.एम. महक खोसला ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के संचालन व उद्घोषक प्राचार्य नूतन पटैरिया ने किया। आभार ई-गर्वेनेंस मैनेजर महेश अग्रवाल ने व्यक्त किया।

लालबर्रा नवागत थाना प्रभारी से औलियाकन्हार फिजिकल क्लब के सचिव ने की सौजन्य भेंट

लकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ लालबर्रा, लालबर्रा थाना क्षेत्र में 8 फरवरी को पदभार ग्रहण करने वाले नए थाना प्रभारी सुनील चतुर्वेदी से आज औलियाकन्हार फिजिकल क्लब के सचिव एवं पत्रकार शरद धानेश्वर ने सौजन्य भेंट की। इस दौरान क्षेत्र की प्रमुख समस्याओं,यातायात व्यवस्था और कानून-व्यवस्था को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। शरद धानेश्वर ने कहा,लालबर्रा में यातायात नियंत्रण,सड़क सुरक्षा और बढ़ते अपराधों को रोकने के लिए सख्त कदम उठाने की आवश्यकता है। आमजन को सुरक्षित माहौल मिले,इसके लिए पुलिस प्रशासन की सक्रियता बेहद जरूरी है। हमें विश्वास है कि नए थाना प्रभारी इन मुद्दों पर गंभीरता से अवश्य ही कार्य करेंगे। थाना प्रभारी सुनील चतुर्वेदी ने आश्वासन देते हुए कहा, लालबर्रा क्षेत्र में शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखना हमारी प्राथमिकता है। हम अपराधों पर सख्त नियंत्रण रखेंगे और किसी भी असामाजिक तत्व को क्षेत्र में सक्रिय नहीं होने देंगे। चोरी,लूटपाट,अवैध गतिविधियों और अन्य आपराधिक घटनाओं पर पूरी तरह अंकुश लगाने के लिए गश्त को बढ़ाया जाएगा और संदिग्ध गतिविधियों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी।

उन्होंने आगे कहा, क्षेत्र में पुलिस की उपस्थिति बढ़ाई जाएगी और आमजन की सुरक्षा के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएंगे। हम जनता से भी सहयोग की अपील करते हैं कि किसी भी आपराधिक गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें ताकि त्वरित कार्रवाई की जा सके। हमारी कोशिश रहेगी कि लालबर्रा को अपराध मुक्त और सुरक्षित बनाया जाए। थाना प्रभारी ने विश्वास दिलाया कि स्थानीय नागरिकों और पुलिस के सहयोग से क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को मजबूत किया जाएगा और अपराधियों पर सख्त कार्रवाई होगी। सुनील चतुर्वेदी मूल रूप से शिवपुरी निवासी हैं और 2015 बैच के सब-इंस्पेक्टर हैं। बालाघाट जिले में पदस्थापना से पहले वे भोपाल के ईंटखेड़ी, बिलखिरिया और नजीराबाद थानों के थाना प्रभारी के रूप में कार्य कर चुके हैं। बालाघाट जिले में उन्होंने थाना खैरलांजी और ग्रामीण नवेगांव में थाना प्रभारी के रूप में सेवाएँ दी हैं और वर्तमान में लालबर्रा थाना प्रभारी के रूप में कार्यरत हैं।

शहर के 90 प्रतिशत व्यक्ति एक जैसा नहीं सोचेगें तो शहर विकसित नही होगा - कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर

व्यापारी संगठन, जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन के द्वारा कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स का तालमेल कार्यक्रम सम्पन्न

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, व्यापारी संगठन, प्रशासन-पुलिस प्रशासन के द्वारा कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स का तालमेल कार्यक्रम गुरूकृपा हॉटल में कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर की गरिमामय मौजूदगी में सम्पन्न हुआ। इस दौरान कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने कहा दमोह जिले के विकास और विज़न को ले करके कई सारे बहुत अच्छे सुझाव प्राप्त हुए हैं, खासतौर से शहर को कैसे और व्यवस्थित किया जाये और चीजें कैसे बेहतर की जाये, उसके संबंध में बड़े पैमाने पर सभी लोगों ने सहभागिता की और सुझाव दिए और निश्चित रूप से वो सुझाव सारे जो है बहुत ही उल्लेखनीय सुझाव है। कलेक्टर ने कहा हमारा कमिटमेंट है कि हम जितना जल्दी हो सके इन सुझावों पर अमल करना प्रारंभ करें ताकि सभी का विश्वास प्रशासन के ऊपर बने। यदि कोई सुझाव लिए जाते हैं तो उनका पालन भी कराया जाता हैं, तो हम लोग पूरा प्रयास करेंगे। सब लोग मिलकर क्योंकि हम उसको बेहतर से बेहतर तरीके से क्रियान्वित कराने का प्रयास करेंगे। कलेक्टर ने कहा हमारी पूरी टीम

यहां पर मौजूद रही, उन सभी ने आए हुए सुझावों को नोट किया है। कलेक्टर ने व्यापारियों से कहा किसी भी एक गली या रास्ते में दूकानो के साईन बोर्ड एक जैसे कलर के लगवा दीजिए, यह जिम्मेदारी आप लोग सकते हैं इससे दमोह की फिजा ही बदल जायेगी। उन्होंने कहा स्वच्छता अभियान अंतर्गत जिले के 05 पार्कों का बिना सरकारी मदद से, बिना सरकारी पैसे से जन सहयोग से बनाये गये हैं। उन्होंने कहा इंदौर की जनता यदि प्रशासन का साथ नही देती तो इंदौर कभी बदल नही सकता था। कलेक्टर ने कहा शहर के 90 प्रतिशत व्यक्ति एक जैसा नहीं सोचेगें तो शहर विकसित नही होगा।

उन्होंने कहा कुछ चीजों में प्रशासन को आपका सहयोग चाहिए होगा, जब-जब सहयोग मांगा गया है तब-तब सहयोग प्रशासन को मिला हैं। उन्होंने सभी व्यापारियों से प्रधानमंत्री जी के टीव्ही मुक्त भारत अभियान अंतर्गत निश्चय मित्र बनने का आग्रह किया। श्री कोचर ने शहर के शहर को रिजल्ट देने में सभी का सहयोग की बात कही।

एडीशनल एस. पी. संदीप मिश्रा ने कहा सभी व्यापारी वर्ग के लोग यहां उपस्थित रहे, यातायात, सुरक्षा आदि बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। उन्होंने कहा यातायात का फ्लायओवर एक विकल्प हो सकता हैं। उन्होंने कहा एनफोर्समेंट से उतनी चीजें सुधर सकती हैं जितनी रीजनेवल हो, चालान, बंद करके एक लिमिटेड दायरे त ?क सुधार सकते हैं, जब तक एन्फ्रांस्ट्रक्चर में अमूल चूल परिवर्तन नही करेगें वो चीजे स्थायी समाधान नहीं देगी। उन्होंने कहा सभी विभागों से सबंधित समस्याओं से अवगत कराया गया हैं, जिन पर बिंदुबार कार्य किया जायेगा।

इस अवसर पर एसडीएम दमोह आर एल बागरी, नगर पालिका अधिकारी प्रदीप शर्मा, राकेश अग्रवाल, शिवांन जैन, सुशील गुप्ता, बस एशोसियेशन से कुरैशी सहित अन्य व्यापारी बंधुओ ने अपनी बातें व सुझाव विस्तार से रखें।

लाड़ली बहना, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, किसान कल्याण योजना के हितग्राहियों को सिंगल क्लिक के माध्यम से मुख्यमंत्री ने किया राशि का अंतरण

देवास जिले के सोनकच्छ में आयोजित मुख्यमंत्री जी के कार्यक्रम के सजीव प्रसारण को देखने एवं सुनने जिले में की गई थी व्यवस्था

सुशिल सोनी । सिटी चीफ अनूपपुर, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने देवास जिले के सोनकच्छ में राज्य स्तरीय कार्यक्रम से लाडली बहना योजना, सामाजिक सुरक्षा पेंशन की राशि तथा किसान कल्याण योजना के हितग्राहियों को अनुदान राशि का हितग्राहियों के खातों में सिंगल क्लिक के माध्यम से अंतरण किया। इस कार्यक्रम को कलेक्ट्रेट स्थित एनआईसी कक्ष सहित जिले के जनपद व नगरीय एवं ग्रामीण निकायों में देखने एवं सुनने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई थी। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधिगणों के साथ ही बड़ी संख्या में हितग्राही उपस्थित थे। जिला स्तर पर एनआईसी कक्ष में कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रीति सिंह, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती पार्वती वाल्मीकि राठौर, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री तन्मय वशिष्ठ शर्मा,

सहायक संचालक महिला बाल विकास विभाग श्रीमतीमंजूषा शर्मा, लाडली बहनें एवं सामाजिक सुरक्षा पेंशन के हितग्राही उपस्थित थे। मुख्यमंत्री जी ने सिंगल क्लिक के माध्यम से अनूपपुर जिले के 01 लाख 27 हजार 404 लाड़ली बहनों के खातों में 15 करोड 39 लाख 58 हजार 200 राशि तथा मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना के तहत जिले के 82713 किसानो के खातों में 16 करोड 54 लाख 26 हजार की राशि का एवं सामाजिक सुरक्षा पेंशन के तहत जिले के हितग्राहियों के खातों में राशि अंतरित की।

नोहटा में होने वाले नोहलेश्वर महोत्सव के ऑडीशन आज

पी जी कॉलेज दमोह में आज होगें होंगे नोहलेश्वर महोत्सव के ऑडीशन

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, 18 फरवरी से 28 फरवरी तक दमोह जिले की विधानसभा जबेरा के ग्राम नोहटा में स्थानीय विधायक एवं मध्य प्रदेश सरकार के सांस्कृति, पर्यटन धर्मस्व और धार्मिक न्यास राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार धर्मेन्द्र सिंह लोधी के मार्गदर्शन में आयोजित होने वाली नोहलेश्वर महोत्सव में प्रतिदिन विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे जिसमे स्थानीय और अन्य क्षेत्रों के कलाकार भी अपनी कला का प्रदर्शन कर सकेंगे। नोहलेश्वर महोत्सव में होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों को लेकर 12 फरवरी 2025 को सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक दमोह के प्रधानमंत्री उत्कृष्ट महाविद्यालय पीजी कॉलेज में ऑडिशन का आयोजन किया जा रहा है जिसमें दमोह जिले के स्थानीय कलाकार जो भी महोत्सव में अपनी कला का प्रदर्शन करना चाहते हैं वह ऑडिशन में सम्मिलित हो सकते है। महोत्सव के आडिशन तीन चरण में होंगे यह आडिसन का पहला चरण है जिसमें विभिन्न विधाएं जैसी एकल नृत्य, सामूहिक नृत्य, एकल गायन, सामूहिक गायन आदि के कलाकार ऑडिशन में शामिल हो सकते हैं।

कलाकार ऑनलाइन लिंक के माध्यम से भी आडिसन में भाग ले सकते हैं

https://docs.google.com/forms/d11gIhxdXAQvd1hziivRUsCHJlwM8VFPbjZpt7tRwk_JY/edit

अनूपपुर में मनाया गया साइबर सुरक्षा जागरूकता अभियान

सुशिल सोनी । सिटी चीफ
अनूपपुर, साइबर सुरक्षा जागरूकता अभियान के अंतर्गत साइबर संबंधी वर्तमान में बढते साइबर अपराध एवं उसके सुरक्षा के संबंध में महाराजा मार्तंड महाविद्यालय कोतमा में , महाविद्यालय के प्राचार्य श्री व्ही.के सोनवानी प्रोफेसर श्री वास्को लकड़ा एवं अन्य शिक्षकगणो तथा दिनांक 11.02.2025 को ज्ञान प्रकाश आईटीआई कोतमा में आईटीआई के संचालक श्री पुष्पेंद्र कुमार जैन, प्राचार्य श्री राजेश सिंह एवं शिक्षकगणों की उपस्थिति में जानकारी दी गई, कि कोई भी किसी अंजान व्यक्ति को ओटीपी, आधार नंबर,खाता नंबर और अपनी व्यक्तिगत जानकारी न दे तथा यदि कोई लिंक के.वाय.सी.अपडेट कराने आपके मोबाइल में आता है तो उसे भी शेयर ना करें और यदि कभी आपके साथ में कोई साइबर फ्रॉड हो गया है आपका पैसा निकल गया है तो आप तत्काल 1930 साइबर हेल्पलाइन नंबर में या www.cybercrime.gàœv.in में शिकायत दर्ज करा सकते हैं, डिजिटल अरेस्टिंग से बचे,इसके अलावा अज्ञात व्यक्ति के द्वारा फोन कर क्राइम ब्रांच के अधिकारी या फिर पुलिस अधिकारी बताकर किसी बच्चे या बच्ची को गिरफ्तार करने के संबंध में फोन आता है और पैसे की मांग करता है तो भी पैसा किसी को भी नहीं देना , और यदि कोई मैसेज अकाउंट में पैसे आने का आता है तो सबसे पहले अकाउंट चेक करे, कभी भी अज्ञात व्यक्ति, अज्ञात मोबाइल नंबर से अज्ञात फेसबुक या इंस्टाग्राम आईडी के साथ बातचीत या चैटिंग नहीं करना चाहिए, ईनाम,लाटरी फंसने जैसे मैसेज, फोन आने पर उनके झांसे में न आये, और यदि कोई भी सायबर फ्राड,सायबर ब्लेक मेलिंग , फेसबुक, इंस्टाग्राम आईडी हैक होने पर नजदीकी बैंक, पुलिस थाना में अपनी शिकायत दर्ज कराये, सभी विद्यार्थियों को साइबर अपराध से बचने के लिए क्या करें और क्या ना करें कि संबंध में पंपलेट भी दिया गया।

सी एम एच ओ डॉ वर्मा मेहरबान तो झोला छाप पहलवान

सुशिल सोनी । सिटी चीफ
अनुपपुर, अनुपपुर जिले के हर क्षेत्र में जगह जगह झोला छाप डाक्टरों की बाढ़ सी आ गई है अभी तक तो ये झोलाछाप डॉक्टर कम से कम सी एम एच ओ बीएमओ से डरते थे और कार्यवाही के दौरान क्लिनिक बंद करके भाग जाते थे पर अब इनकी हिम्मत इतनी ज्यादा बढ़ गई है कि ये खुले आम गरीब अनपढ़ लोगों के जेब में ढाका डाल रहे है पत्रकारों द्वारा इनकी खबर प्रकाशन के बावजूद ये लगातार अपना फर्जी क्लीनिक संचालित करते हुए है। इनमें से कई तो अपना असिस्टेंट रख कर उसे ट्रेनिंग भी दे रहे है इनके बारे में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ वर्मा को जानकारी देने पर डॉ वर्मा का जवाब हैरान करने वाला है मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ वर्मा का कहना कलेक्टर साहब इतनी मीटिंग लेते है कभी टी एल कभी जनसुनवाई कभी कुछ कभी कुछ इसके कारण कार्यवाही करने का समय ही नहीं मिल पाता है जैसे ही इन सब से समय मिलता है दिखवाता हु, इन झोला छाप डाक्टरों में तो कुछ तो सीधे बी एम ओ एवं सी एम एच ओ को पैसा देने की बात कहते हैं इनसे ये पूछने पर की आप बिना डिग्री के क्लीनिक कैसे संचालित कर रहे है तब ये सीधे सीधे सी एम एच ओ को हर महीने पैसे देते है आप लोगों के न्यूज लगाने से हमको कोई फर्क नहीं पड़ता बल्कि हम लोगो फ्री में प्रचार हो जाता है । इनके इस आरोप में कितनी सच्चाई है ये तो सिर्फ सी एम एच ओ डॉ वर्मा और आरोप लगाने वाले ये झोला छाप डाक्टर ही जानते होंगे पर इन सब के बीच आमजन जरूर अनहोनी के और इनके गलत इलाज का खामियाजा भोग रहे है
क्योंकि अभी कुछ दिनों पहले ही एक झोला छाप डाक्टर द्वारा गलत इलाज का शिकार एक युवक हुआ है क्या इन पर कार्यवाही तब ही होगी जब ये किसी की जान लेंगे क्या प्रशासन इन्हें पहले नहीं रोक सकता।

लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए विद्यालयीन शिक्षा अहम - कमिश्नर

जोन स्तरीय सह अकादमिक गतिविधि प्रतियोगिता सम्पन्न

मोहम्मद मुनीर। सिटी चीफ
शहडोल, दो दिवसीय जोन स्तरीय सह अकादमिक गतिविधि प्रतियोगिता का समापन संभागीय मुख्यालय शहडोल के जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान शहडोल परिसर में किया गया। प्रतियोगिता के समापन अवसर पर प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कमिश्नर शहडोल संभाग श्रीमती सुरभि गुप्ता ने कहा है कि किसी भी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए विद्यालय की शिक्षा बहुत महत्वपूर्ण है। विद्यालय में प्राप्त शिक्षा न केवल छात्रों को ज्ञान प्रदान करती है, बल्कि उन्हें जीवन के लिए आवश्यक कौशल और मूल्यों को भी सिखाती है। कमिश्नर ने कहा कि विद्यालय की शिक्षा छात्रों को अपने लक्ष्यों को निर्धारित करने और उन्हें प्राप्त करने के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि विद्यालय में प्राप्त शिक्षा छात्रों को आत्मविश्वास, अनुशासन और सहयोग की भावना को विकसित करने में मदद करती है, जो जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए आवश्यक हैं। कमिश्नर ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए जितनी अच्छी हमारी शिक्षा होगी उतना ही अच्छा हमारा भविष्य होगा, कोई भी कार्य करे उसे पूरी निष्ठा के साथ करेंगे तो अवश्य ही देश के विकास में अपना महत्वपूर्ण भूमिका निभा पाएंगे। कमिश्नर ने जोन स्तरीय सह अकादमिक गतिविधि प्रतियोगिता के प्रतिभागियों को शील्ड एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया तथा उज्जवल भविष्य की शुभकामना दी।
गौरतलब है कि जोन स्तरीय सह अकादमिक गतिविधि प्रतियोगिता बीते 10 फरवरी से 11 फरवरी 2025 तक आयोजित किया गया जिसमे कबड्डी, गोला फेंक, कैरम, दौड़ सहित अन्य प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। इस अवसर पर प्राचार्य डाइट आर.एस. गौतम, सहायक संचालक खेल रईस अहमद सहित खेल प्रशिक्षक व खिलाड़ी उपस्थित थे।

शहडोल संभाग में संपदा 2.0 के प्रति लोगों को करें जागरूक - कमिश्नर

कमिश्नर ने विभागों के राजस्व वसूली की ली जानकारी, कार्यों की समीक्षा की

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ
शहडोल, कमिश्नर शहडोल संभाग श्रीमती सुरभि गुप्ता ने आज कमिश्नर कार्यालय के अमरकंटक कक्ष में संभाग स्तरीय खनिज, परिवहन विभाग के द्वारा किए गए कार्यों की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान कमिश्नर ने शहडोल संभाग के जिला परिवहन अधिकारियों को निर्देश दिए कि ड्रग्स परिवहन को रोकने का हर संभव प्रयास करें,यह भी सुनिश्चित करें कि स्कूल वाहनों में क्षमता से अधिक बच्चों को न बैठाया जाए इसके लिए वाहनों की चैकिंग करें। कमिश्नर ने लाइसेंस, लर्निंग लाइसेंस जैसे अन्य कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। कमिश्नर ने शहडोल संभाग के जिला पंजीयकों को निर्देश दिए कि लोगों को संपदा 2.0 के प्रति लोगों को जागरूक करे जिससे अधिक से अधिक लोग दस्तावेजो का पंजीयन करा सके। कमिश्नर शहडोल संभाग श्रीमती सुरभि गुप्ता ने शहडोल संभाग के परिवहन, सहकारिता, आबकारी, खनिज विभाग के द्वारा किए गए राजस्व वसूली की जानकारी ली तथा निर्धारित लक्ष्य को पूरा करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।बैठक में शहडोल संभाग के जिला खनिज अधिकारी सुश्री फरहत जहां, प्रभात पट्टा सहित जिला परिवहन अधिकारी, आबकारी अधिकारी उपस्थित थे।

वेबसाइट के यूआरएल को ध्यान से देखें

अनजान लिंक पर क्लिक न करें साइबर अपराध 1930 पर कराएं शिकायत दर्ज

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ
शहडोल, सुरक्षित इंटरनेट दिवस के अवसर पर आज कलेक्टर कार्यालय के सोन सभागार में साइबर अपराधों के संबंध में अधिकारियों को जानकारी दी गई। साइबर अपराधों के बारे बताया गया कि साइबर अपराध इंटरनेट एवं डिजीटल माध्यमों द्वारा किये जाने वाले अवैध कार्य, व्यक्तिगत जानकारी चोरी, वित्तीय धोखाधड़ी और हैकिंग जैसी अन्य गतिविधियां शामिल है, अनजान लिंक पर क्लिक न करें, वेबसाइट के यूआरएल को ध्यान से देखें, टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन का उपयोग करे, सुरक्षित पासवर्ड बनाए और समय-समय पर बदलें, संवेदनशील जानकारी किसी के साथ साझा न करें, साइबर अपराधों के संबंध में राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन नम्बर 1930 पर शिकायत दर्ज करा सकते है। इस अवसर पर कलेक्टर डॉ. केदार सिंह, अपर कलेक्टर सरोधन सिंह, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अरविंद शाह, डिप्टी कलेक्टर भागीरथी लहरें, डीआईओ मधुकर सिंह, ओम जायसवाल सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थें।

लापता किशोरी 23 दिनों में हुई दस्तयाब

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म का मामला

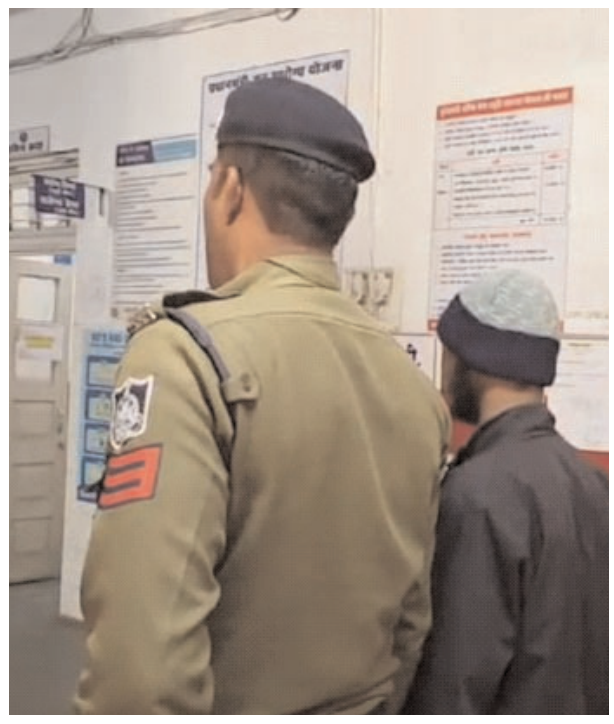

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ
शहडोल, धनपुरी थाना क्षेत्र के नगर की रहने वाली एक किशोरी का आरोपी ने अपहरण कर शादी का झांसा देकर उसे अपने साथ पीथमपुर ले गया, और एक महीने तक किराए के मकान को लेकर उसके साथ दुष्कर्म की घटना को आरोपी ने अंजाम दिया। किशोरी जब घर से लापता हुई तो परिजनों ने तत्काल मामले की जानकारी पुलिस से की थी, पुलिस ने मामले पर गंभीरता दिखाई और आरोपी का पता लगाया, पुलिस को साइबर सेल की मदद से आरोपी का पता लग पाया। पुलिस धार जिले के पीथमपुर पहुंची और आरोपी को गिरफ्तार किया है। किशोरी को दस्तयाब कर परिजनों के हवाले किया गया है। आरोपी खैरहा थाना क्षेत्र का रहने वाला है।
किशोरी को बहला लिया... धनपुरी पुलिस के मुताबिक थाना क्षेत्र से लापता किशोरी को पीथमपुर से दस्तयाब किया है। किशोरी को शादी का झांसा देकर ले जाने वाले आरोपी युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया कि 18 जनवरी को परिजनों ने शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि अज्ञात युवक किशोरी को बहला फुसलाकर कहीं ले गया है। पुलिस अज्ञात के विरुद्ध मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की।
बाइक से पीथमपुर का सफर... पुलिस टीम ने किशोरी को धार जिले के पीथमपुर सेक्टर वन से दस्तयाब किया। पूछताछ में किशोरी ने बताया कि खैरहा थाना क्षेत्र में रहने वाला युवक विजय उर्फ अंकुश साहू 20 वर्ष शादी का झांसा देकर बाइक से पीथमपुर लाया था, यहां किराए के कमरा लेकर रखा था। इस दौरान उसने दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध अपहरण एवम दुष्कर्म के साथ ही पाक्सो एक्ट का मामला दर्ज करते हुए गिरफ्तार कर लिया। पुलिस का कहना है की आरोपी को माननीय न्यायालय में पेश किया जाएगा।

अवैध खनन परिवहन पर खाकी ने की घेराबंदी

रेत लोड ट्रेक्टर हुआ जप्त, चालक हुआ फरार

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ
शहडोल, तमाम उपाय के बावजूद जाने अवैध रेत का कारोबार थमने का नाम नहीं ले रहा है, ओवरलोड की बात तो छोड़ ही दीजिये, कहते है कि नीचे से ऊपर तक रेत के खेल का तगड़ा मैनजमेंट खनिज सम्पदा की तस्करी जारी रखे हुए है, लेकिन इस बीच खबर है की खाकी ने अपनी जिम्मेदारी को गंभीरता से लेते हुए रेत का अवैध परिवहन करते एक ट्रैक्टर को केशवाही पुलिस ने ग्राम माल्या से जप्त किया है, जिस पर चालक के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि वाहन मालिक ही वाहन का चालक है। आरोपी के विरुद्ध पुलिस ने खनिज अधिनियम के तहत कार्यवाही की है। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर चौकी प्रभारी ने अपनी टीम के साथ घेराबंदी कर इस कार्यवाही को अंजाम दिया है।
ट्रेक्टर छोड़ भगा चालक... पुलिस से मिली के अनुसार आरोपी कल्लू उर्फ विजेंद्र बैगा पर पुलिस ने खनिज अधिनियम व अन्य धाराओं के तहत कार्यवाही की है। रेत का अवैध परिवहन करते ट्रैक्टर को पुलिस ने जप्त कर चौकी में खडा करवा है। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर इस कार्यवाही को चौकी प्रभारी के साथ प्रधान आरक्षक मनोज व अन्य पुलिसकर्मियों ने कार्यवाही को अंजाम दिया है। बीते दिनों देवलौंद और जैतपुर पुलिस ने भी रेत का अवैध परिवहन करते दो ट्रैक्टरों को जप्त किया था। इस मामले पर दोनों चालक पुलिस देखकर फरार हो गए थे। जिनकी तलाश पुलिस कर रही है।

इनका कहना है। रेत का अवैध उत्खनन साबुन घाट नदी से किया गया था,और ट्रैक्टर में भरकर रेत का अवैध परिवहन करते ट्रैक्टर को ग्राम माल्या से पुलिस में जप्त कर लिया है। पुलिस देखकर चालक भागने लगा, पुलिस को मुखबिर की सूचना लगी थी जिस पर पुलिस ने पहले से ही घेराबंदी कर रखी थी, और ट्रैक्टर चालक जो कि वाहन मालिक भी है। उसे गिरफ्तार कर लिया गया
आशीष झारिया, चौकी प्रभारी चौकी केशवाही, शहडोल

कमिश्नर कार्यालय में आयोजित हुई जनसुनवाई

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ
शहडोल। कमिश्नर शहडोल संभाग श्रीमती सुरभि गुप्ता की उपस्थिति में आज कमिश्नर कार्यालय शहडोल के अमरकंटक सभागार में साप्ताहिक जनसुनवाई आयोजित की गई। जनसुनवाई में कमिश्नर शहडोल संभाग श्रीमती सुरभि गुप्ता ने शहडोल संभाग के दूर-दराज से आए लोगों की समस्याएं और शिकायतें सुनी और समस्याओं तथा शिकायतों का निराकरण समय-सीमा में करने के निर्देश संबंधित विभाग के अधिकारियों को दिए। जनसुनवाई में राजस्व से संबंधति, पीएम किसान, पीएम आवास, सीएम किसान, आर्थिक सहायता, सहित शासन द्वारा संचालित अन्य योजनाओं से संबंधित शिकायतों के आवेदन प्राप्त हुए जिनका निराकरण हेतु कमिश्नर शहडोल संभाग श्रीमती सुरभि गुप्ता ने संबंधित विभाग के अधिकारियों की ओर आवेदन प्रेषित कर त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए।

अतिक्रमण मुक्त शासकीय पांच एकड़ भूमि पर पुनः कब्ज़ा

नगरपालिका अमला परेशान, शिकायतकर्ता से मारपीट, लूट राजस्व महाअभियान में किया गया था जमीदोज

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ शहडोल, जिले में महाराजस्व अभियान के तहत तत्कालीन कलेक्टर की निगरानी में राजस्व, पुलिस एवं नगरपालिका परिषद की संयुक्त गठित टीम के माध्यम से शिकायतकर्ता समाजसेवी गीता सिंह की शिकायत सही पाए जाने पर शहडोल नगर की सीमा में अवैध रूप से खसरा नंबर 516 की पांच एकड़ भूमि पर अभिषेक मिश्रा का अवैध अतिक्रमण को जमीदोज करते हुए अतिक्रमण मुक्त भूमि नगरपालिका अमले के सुपुर्द की, लेकिन जब पुन: उस अतिक्रमण मुक्त शासकीय भूमि अतिक्रमण करने की शिकायत मिली तो समाजसेवी गीता सिंह ने राजस्व अधिकारी सहित नगर पालिका सीएमओ अक्षत बुंदेला को मामले से वीडियो फुटेज इत्यादि दिखाते हुए, अतिक्रमण मुक्त शासकीय भूमि दोबारा अतिक्रमण करने वाले व्यक्ति पर विधिनुसार कार्यवाही के लिए अनुरोध किया जिसके चलते नगरपालिका ने मौके का निरीक्षण करने टीम गठित की जिसमे मयंक, रामजी, शिवेंद्र पांडेय थे जारी पत्र के अनुसार बीती तारीख 06 जनवरी 2025 को नगरपालिका कर्मियों द्वारा पुरानी बस्ती वॉर्ड नंबर 38 में दर्ज शासकीय रकबा खसरा नंबर 516 में शिकायतकर्ता गीता सिंह को बुलाया गया।

बचाव में किया फेसबुक लाइव... वहां पहले से ही मौजूद अतिक्रमणकारी अभिषेक मिश्रा अपने साथियो के साथ नियोजित तरीके अपनी लाल रंग की थार में हथियार से लैस खड़े होकर शिकायतकर्ता के कार से उतारते ही बत्तमीजी पर उतारू हो गया, पहले तो

अभिषेक मिश्रा ने नगरपालिका कर्मियों को गाली गलौज करते हुए कब्ज़ा की भूमि से बाहर निकलो तुम्हारी हिम्मत कैसे हो गई, इस पूरी घटनाक्रम में निशाने पर रही महिला शिकायतकर्ता एवं उनके साथी से मारपीट की गई पैसे और पेन कागज लूट लिए गए। महिला ने फेसबुक लाइव भी किया। और किसी कदर वहां से निकलकर थाना कोतवाली पहुंची।

खेला एसटीएससी मुकदमो का खेल... दरअसल मामले में एक लम्बे समय तक महिला शिकायतकर्ता ने तहसील एवं एसडीएम कार्यालय के चक्कर लगाए सबूत इक्कट्ठा किये परिवाद दायर किया सच्चाई सामने आने पर जिम्मेदार अधिकारियो ने कार्यवाही भी की, शासकीय भूमि खसरा नंबर 516 का रकबा लगभग पांच एकड़ है जिसमे अधिपत्य जमा रखने वाले की यह अवैध मिलकियत हांथों से जाती देखकर आगबबूला भूमाफिया ने फ़ोन से स्थानीय एक महिला को बुलाकर मारपीट करवाने की कोशिश करता है और झूठी रिपोर्ट करने की कोशिश करता है, लेकिन प्रत्यक्षं किम प्रमाण पर कार्यरत महिला शिकायतकर्ता को भारतीय संविधान और पुलिस कार्यवाही पर भरोसा है।

कोतवाली करती है प्रोटेक्ट... मामले में शिकायतकर्ता शासकीय भूमि पांच एकड़ भूमि पर कब्ज़ा किये जाने की सूचना के साथ अतिक्रमण मुक्त भूमि भारतसरकार को वापस दिलाना चाहती है लेकिन सरकार के नुमाइंदे सरकारी भूमि से अतिक्रमण हटाने में फेल हुए और इस विवाद को लेकर थाना पुलिस ने कई मर्तबा अभिषेक मिश्रा को प्रोटेक्ट करते हुए साझेदारी की मिसाल दे रहा है और शासकीय भूमि खुर्द बुर्द करने वाले को दर्जनों शिकायत के बावजूद प्रोटेक्ट कर रहा है समझ से परे है ।

यातायात नियमो को तोडा..चालान नही 40 को पिलाई चाय

यातायात पुलिस का अलग अंदाज, जिसका हुआ असर

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ शहडोल, गांधीगिरी की तर्ज पर एक बार फिर यातायात जागरूकता को लेकर शहडोल पुलिस का आज अनोखा अंदाज देखने को मिला। दरअसल अभी तक लोगों ने यह देखा होगा कि यातायात नियमों का उल्लंघन करने जैसे हेलमेट ना पहने, चार पहिया वाहन में सीट बेल्ट ना लगाने वालों का तत्काल चालान कर दिया जाता है। लेकिन मंगलवार को शहडोल पुलिस ने हेलमेट न पहनने वाले वाहन चालकों को रोका और उन्हें ससम्मान चाय पिलाई। और यातायात के अहम् जरुरी कायदे कानून समझाए । ताकि लोगों में यातायात के प्रति जागरूकता पैदा हो, बिना किसी भय के नियमों का पालन करें।

नियमो का दिया हवाला.... मंगलवार की सुबह नेशनल हाईवे क्रमांक 43 में शहडोल बुढार के बीच किया शोरूम जमुआ में यातायात पुलिस ने वाहन चेकिंग अभियान लगाया हुआ था। मार्ग से कई ऐसे दुपहिया वाहन निकल रहे थे जिनके चालकों के सिर में हेलमेट नहीं थे। पुलिस ने उन सभी बाइक चालकों को रोका, उन्हें बाकायदा चाय पिलाई और यातायात नियमों का हवाला देते हुए यह समझाइस दी कि हेलमेट लगाना आपकी ही सुरक्षा के लिए हितकर है, घर में आपका परिवार इंतजार कर रहा है। ठंडे दिमाग से सोचिए और हेलमेट लगाकर चलिए।

लोगो में हुआ असर.... इस समझाइए का असर यह हुआ की वाहन चालकों ने तुरंत जाकर हेलमेट भी खरीदा और इसका उपयोग करने का संकल्प लिया। साथ ही यह भी संकल्प लिया कि वह अपने ऐसे सभी साथियों को हेलमेट लगाकर वाहन चलाने की समझाइस देंगे जो उनके करीबी हैं दोस्त हैं और रिश्तेदार हैं ।

इनका कहना है । हमारा उद्देश्य किसी को अनावश्यक रूप से परेशान करना नहीं है । जब वाहन चालकों का चालान किया जाता है तो यह कार्रवाई वैधानिक है, और हमें करनी ही होती है, लेकिन वाहन चालकों को चाय पिलाकर समझाइए देने का उद्देश्य यही था की नागरिक बिना किसी डर भय के यातायात नियमों का पालन करें और लोगों को भी ऐसा करने की समझाइए दें, आज 40 वाहन चालकों को चाय पिलाकर यह समझाइए दी गई है।

मुकेश दीक्षित, डीएसपी
यातायात पुलिस शहडोल

जिलाधिकारी ने किया निर्माणाधीन मां शाकुंभरी विश्वविद्यालय का औचक निरीक्षण

निर्माण कार्य को शीघ्रता से गुणवत्ता के साथ करें पूर्ण- जिलाधिकारी मनीष बंसल

गौरव सिंघल। सिटी चीफ (उप्र) सहारनपुर, जिलाधिकारी मनीष बंसल एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रोहित सिंह सजवाण ने कुलपति प्रो0 वाई0विमला की उपस्थिति में निर्माणाधीन मां शाकुंभरी देवी विश्वविद्यालय का निरीक्षण कर कार्य की प्रगति एवं गुणवत्ता की जानकारी ली। डीएम मनीष बंसल ने निरीक्षण के दौरान प्रशासनिक भवन, एकेडमिक भवन, वीसी रेजीडेन्स, टाईप 3,4,5, कैन्टीन, गर्ल्स एवं ब्वॉयज होस्टल, फिनिशिंग कार्य, फर्श एवं टाइलिंग की गुणवत्ता, खिडकी एवं दरवाजे तथा रंगाई-पुताई को बारीकी से देखा। उन्होंने निर्देश दिए कि मानक के अनुसार ग्रेनाइट पत्थरों का इस्तेमाल किया जाए तथा निर्धारित ज्वाईंट स्थलों पर पॉलिश किया जाना सुनिश्चित किया जाए। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने विश्वविद्यालय निर्माण कार्य से संबंधित संस्थाओं लोनिवि, पीएमसी एवं ठेकेदार

को निर्देश दिए कि सभी सौंपे गये उत्तरदायित्वों को जिम्मेदारी से निभाएं। उन्होने कहा कि श्रमिकों की संख्या बढाते हुए भवनों का निर्माणकार्य एवं फिनिशिंग कार्य यथाशीघ्र पूर्ण किया जाए ताकि निर्मित विश्वविद्यालय के भवन का संचालन पूर्ण रूप से हो सके। डीएम मनीष बंसल ने निर्देश दिए कि पानी की निकासी हेतु नाले के निर्माण की प्रक्रिया निरंतर चालू रहे। उन्होंने कहा कि कमियों को दूर करते हुए विश्वविद्यालय का निर्माण कार्य यथाशीघ्र एवं गुणवत्ता से पूर्ण किया जाए। इस अवसर पर रजिस्ट्रार वीरेन्द्र कुमार मौर्य सहित कार्यदायी संस्था के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

महाराज सिंह कॉलेज सहारनपुर में संस्थापक सप्ताह समारोह का हुआ आरंभ

संजीव झींगरन एवं संजीव पराशर, सतेंद्र रावत ने अपने गायन से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया

गौरव सिंघल । सिटी चीफ (उ प्र) सहारनपुर, महाराज सिंह कॉलेज सहारनपुर में संस्थापक सप्ताह समारोह का आरंभ हुआ। जिसमें मां शाकुंभरी विश्वविद्यालय, सहारनपुर की कुलपति प्रोफेसर विमला वाईश मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थिति रही। वित्त नियंत्रक सिद्धार्थ शंकर त्रिपाठी एवं आई आई एमटी की प्राचार्या डॉ अंजू वालिया इस कार्यक्रम के विशिष्ठ अतिथि रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ राजू वर्मा द्वारा सरस्वती वंदना के साथ किया गया। संजीव झींगरन एवं संजीव पराशर, सतेंद्र रावत ने अपने गायन से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर तनीषा शर्मा को श्रीमती कस्तूरी देवी पत्नी श्री बाबू महाराज सिंह छात्रवृत्ति एवंम ?3100 की धनराशि, आशु चंद्रकांता अग्रवाल अचीवर्स एकेडमिक अवार्ड, अपूर्वा गुप्ता को रु 10000 की धनराशि सहित दिया गया। श्रीमती उषा सिंगल पत्नी श्री रवि कुमार सिंघल स्वर्ण पदक एवं ?501 की नगद धनराशि अफरीदा अली को प्रदान की गई। अपने उद्बबोधन में कुलपति ने शिक्षा के

साथ-साथ नैतिक मूल्यों एवं संस्कार पर विशेष बल दिया। सिद्धार्थ शंकर त्रिपाठी ने अनुशासन के साथ गुणवत्ता युक्त शिक्षा की अनिवार्यता को आवश्यकता बताया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर अनिल कुमार ने मुख्य अतिथि प्रोफेसर विमला वाईश के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए सभी अतिथियों एवं निर्णायकों के प्रति आभार व्यक्त किया। नृत्य प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में प्रिया बजाज, योगिता झिंगरन एवं तमन्ना मेंहदीरत्ता रही। मंच संचालन डाश पूनम सरदाना, अंजलि तिवारी एवं कार्यक्रम का संचालन प्रोफेसर दिनकर मलिक एवं डॉक्टर गुरदेव सिंह ने संयुक्त रूप से किया। समारोह के संयोजक प्रोफेसर पूनम यादव एवं प्रोफेसर प्रवीण कादयान ने कार्यक्रम की समुचित व्यवस्था की। इस अवसर पर सभी शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारी उपस्थित रहे। गायन प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार रिया बी. ए., द्वितीय पुरस्कार अपसहा एम. एस.सी. एवं तृतीय पुरस्कार पारुल बी.एस. सी. ने प्राप्त किया।

मुख्य विकास अधिकारी ने किया राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस का उद्घाटन

गौरव सिंघल । सिटी चीफ (उ प्र) सहारनपुर, मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महाजन की अध्यक्षता में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के सफल क्रियान्वयन हेतु ईन्फेन्ट जीसस स्कूल, वसंत विहार में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महाजन द्वारा बताया गया कि बच्चों में कुपोषण का एक मुख्य कारण बच्चों की आंतों में कृमि का पाया जाना है। जिससे बच्चों का शारीरिक एवं मानसिक विकास बाधित होता है। मुख्य रूप से एनिमिया, खून की कमी, चिडचिडापन शारीरिक कमजोरी आदि। इसलिए कृमि से मुक्ति पाने हेतु अल्बेन्डाजोल की दवाई प्रत्येक बच्चे को खिलायी जानी आवश्यक है। मुख्य

चिकित्साधिकारी डॉ0 प्रवीण कुमार द्वारा बताया गया कि जनपद सहारनपुर में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस आज से आरम्भ हो रहा है। जिसके सफल संचालन हेतु समस्त आवश्यक तैयारियां कर ली गयी है। जनपद सहारनपुर में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के अन्तर्गत दिनांक 10.08.2024 से 01 वर्ष से 19 वर्ष के आयु वर्ग के बच्चों (बालक एवं बालिका) को स्कूलों, आंगनवाडी केन्द्रों एवं मदरसों में अल्बेन्डाजोल की दवाई खिलायी जा रही है। मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा बताया गया कि जनपद सहारनपुर में 1888600 बच्चों को कृमि मुक्ति दवाई खिलायी जायेगी। अल्बेन्डाजोल की दवाई खिलाने से छूट गये बच्चों को मॉप-अप-दिवस पर दिनांक 14.02.2025 तक दवाई खिलायी जायेगी एवं मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 प्रवीण कुमार द्वारा जनपद सहारनपुर के अभिभावकों से अपील की गयी कि वे अपने 01 वर्ष से 19 वर्ष आयु वर्ग वाले बच्चों को राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर दवाई खिलायें।इस अवसर पर कार्यक्रम में अपर मुख्य चिकित्साधिकारी/नोडल एन0डी0डी0 डॉ0 पूजा शर्मा, डॉ0 अजेन्द्र मलिक नोडल, एन0यू0एच0एम0, श्री बृजेश कुमार डी0 सी0पी0एम0, ईन्फेन्ट जीसस स्कूल की डायरेक्टर श्रीमति लोरेना शिमलाई व समस्त अध्यापकगण छात्र-छात्रायें एवं आई0टी0सी0 से मसीउल हक आदि उपस्थित रहे।

वन विभाग को जिले में अवैध कटाई पर प्रभावी कार्यवाही करने के सख्त निर्देश

देवास

शिक्षा विभाग और जनजातीय कार्य विभाग की स्थापना शाखा की होगी जांच

राजस्व वसूली समय पर होनी चाहिए, लापरवाही बदार्श्त नहीं की जायेगी

जिले में अवैध खनन पर सख्ती से कार्यवाही करें

कलेक्टर ऋषिराज सिंह की अध्यक्षता में समय-सीमा संबंधी लंबित पत्रों के निराकरण की प्रगति तथा अंतरविभागीय समन्वय से संबंधित मामलों की समीक्षा बैठक कलेक्टर कार्यालय सभाकक्ष में संपन्न हुई। बैठक में सीईओ जिला पंचायत हिमांशु प्रजापति, अपर कलेक्टर बिहारी सिंह, एसडीएम टोंकखुर्द कन्हैयालाल तिलवारी, डिप्टी कलेक्टर रितु चौरसिया, सहित अन्य विभागों के जिला अधिकारीगण उपस्थित थे। समय-सीमा बैठक में विकासखण्ड स्तरीय अधिकारी वर्चुअल शामिल हुए।

कलेक्टर सिंह ने कहा कि जिले में अवैध खनन पर सख्ती से कार्यवाही करें। जिले में एक भी गाड़ी बिना रॉयल्टी नहीं निकलनी चाहिए। सभी राजस्व अधिकारी अपने-अपने क्षेत्र में अवैध गतिविधियों पर नजर रखें। सभी राजस्व अधिकारी लगातार अपने-अपने क्षेत्र में निरीक्षण करें। गौदामों, आंगनवाड़ी, मीड डे मिल और निर्माण कार्यो का निरीक्षण करें। कलेक्टर श्री सिंह ने शिक्षा विभाग और

जनजातीय कार्य विभाग की स्थापना शाखा की जांच के निर्देश सीईओ जिला पंचायत हिमांशु प्रजापित को दिये। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि स्थापना शाखा की एक-एक लम्बित फाइल को देखे, क्या-क्या कार्यवाही हुई है इसकी जानकारी भी दें। कलेक्टर सिंह ने वन विभाग को सख्त निर्देश दिये कि जिले में वनों के अवैध कटाई पर प्रभावी कार्यवाही करें। अवैध कटाई पर प्रति सप्ताह की गई कार्यवाही की रिपोर्ट दें। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि राजस्व वसूली की तहसीलवार समीक्षा कर शतप्रतिशत राजस्व वसूली के निर्देश दिये। राजस्व वसूली कम होने पर संबंधित तहसीलदारों को निर्देश दिये कि अभियान चलाकर कार्यवाही करें और शतप्रतिशत राजस्व वसूली करें। उन्होंने एसडीएम को भी निर्देश दिये कि राजस्व वसूली की लगातार समीक्षा करें। राजस्व वसूली समय पर होनी चाहिए, लापरवाही बदार्श्त नहीं की जायेगी। राजस्व विभाग अपने मूल कार्यो पर भी फोकस करें। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि राजस्व अधिकारी सीमांकन, बंटवारा, अतिक्रमण की शिकायतों का प्राथमिकता से निराकरण करें। शिकायतों का निराकरण नहीं करने पर सख्त कार्यवाही की जाएगी। कलेक्टर श्री सिंह ने आधार आरओआर खसरा लिंकिंग कार्य, फॉर्मर रजिस्ट्री में अभी तक की प्रगति की समीक्षा कर प्रकरणों का शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सिंह ने फॉर्मर रजिस्टरी और आरओआर लिकिंग की प्रगति की प्रतिदिन रिपोर्ट देने के निर्देश दिये। फॉर्मर रजिस्टरी और आरओआर लिकिंग कार्य शत प्रतिशत होने पर पटवारियों को अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि भी दी जायेगी। तहसीलदार अपने-अपने क्षेत्र में पटवारियों को फार्मर रजिस्टरी और आरओआर लिकिंग कार्य के लिए ग्रामों में शिविर लगाने के लिए निर्देशित करें। शिविरों को चार्ट बना ले, अगले दो से तीन दिनों में शिविर प्रारम्भ हो जाने चाहिए। सभी तहसीलदार इस कार्य को प्राथमिकता में लेते हुए इस कार्य को शीघ्र पूर्ण करें। कलेक्टर सिंह ने राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिये कि न्यायालय में लम्बित प्रकरणों को निराकरण शीघ्र करें। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा जिले में गिरदावरी कम होने से किसानों का पंजीयन नहीं हो पा रहा है। सभी तहसीलदार पटवारियों से गिरदावरी का कार्य शीघ्र पूर्ण कराये। सीएम हॉउस और सीएम मॉनिट प्रकरणों की समीक्षा कर आवेदनों का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिये। कलेक्टर श्री सिंह ने विभागवार टीएल प्रकरणों की समीक्षा कर निर्देश दिये कि टीएल बैठक में जवाब देने वाले अधिकारी ही टीएल में उपस्थित रहें। बिना टीएल जानकारी के कोई भी अधिकारी समय-सीमा बैठक में नहीं आये। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि सभी विभाग सालाना बजट का उपयोग समय सीमा में करें।

दुनिया के इस धर्म के लोग होते हैं सबसे ज्यादा अमीर, जानें गरीबों में कौन-कौन शामिल

इंटरनेशनल डेस्क: दुनिया में सबसे अमीर धर्म के बारे में एक नई रिपोर्ट सामने आई है, जिसमें यह खुलासा हुआ है कि धर्म के आधार पर सबसे ज्यादा संपत्ति ईसाइयों के पास है। न्यू वर्ल्ड वेल्थ की रिपोर्ट के अनुसार, ईसाई धर्म के लोगों के पास सबसे अधिक संपत्ति है, इसके बाद मुसलमानों और फिर हिंदुओं का नंबर आता है। यह रिपोर्ट यह भी बताती है कि दुनिया की कुल संपत्ति में एक बड़ा हिस्सा उन लोगों के पास है, जो किसी भी धर्म को नहीं मानते हैं।

ईसाइयों के पास सबसे अधिक संपत्ति

रिपोर्ट के मुताबिक, दुनिया भर में सबसे ज्यादा संपत्ति हाई नेट वर्थ इंडिविजुअल्स (1 मिलियन अमरीकी डॉलर या उससे ज्यादा संपत्ति वाले) के मामले में ईसाई धर्म के लोगों के पास है। ईसाई धर्म के लोगों के पास कुल 107,280 बिलियन अमेरिकी डॉलर की संपत्ति है, जो दुनिया की कुल संपत्ति का 55 फीसदी है। यह आंकड़ा ईसाइयों के दबदबे को दर्शाता है और यह साबित करता है कि दुनिया की संपत्ति का सबसे बड़ा हिस्सा ईसाई धर्म के अनुयायियों के पास है।

मुसलमानों और हिंदुओं की संपत्ति

इसके बाद मुसलमानों का नंबर आता है, जिनके पास 11,335 बिलियन अमेरिकी डॉलर की संपत्ति है, जो दुनिया की कुल संपत्ति का 5.9 फीसदी है। तीसरे स्थान पर हिंदू धर्म के लोग हैं, जिनके पास 6,505 बिलियन अमेरिकी डॉलर (3.3 फीसदी) की संपत्ति है। यह आंकड़ा यह दर्शाता है कि हिंदू धर्म के अनुयायी भी संपत्ति के मामले में एक महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं, लेकिन ईसाइयों और मुसलमानों की तुलना में उनका हिस्सा कम है।

यहूदी धर्म और धर्मनिरपेक्ष लोग

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि यहूदी धर्म के अनुयायियों के पास कुल 2,079 बिलियन अमेरिकी डॉलर की संपत्ति है, जो दुनिया की कुल संपत्ति का 1.1 फीसदी है। इसके अलावा, एक और दिलचस्प तथ्य सामने आया है कि दुनिया के 10 सबसे अमीर देशों में से सात ईसाई बहुल हैं, जो यह संकेत देता है कि ईसाई धर्म के अनुयायी दुनिया में आर्थिक रूप से काफी प्रभावी हैं।

धर्मनिरपेक्ष लोगों के पास भारी संपत्ति

रिपोर्ट में एक और महत्वपूर्ण आंकड़ा सामने आया है, जिसमें यह कहा गया है कि दुनिया की कुल संपत्ति का एक बड़ा हिस्सा उन लोगों के पास है, जो किसी भी धर्म को नहीं मानते। ऐसे लोग दुनिया की कुल संपत्ति के 34.8 फीसदी हिस्से के मालिक हैं, जो करीब 67,832 बिलियन अमेरिकी डॉलर के बराबर है। इस रिपोर्ट के मुताबिक, यह स्पष्ट होता है कि धर्म के आधार पर संपत्ति का वितरण असमान है, और ईसाई धर्म के अनुयायी इस मामले में सबसे आगे हैं। वहीं, धर्मनिरपेक्ष लोग भी बड़ी संपत्ति के मालिक हैं, जो इस तथ्य को उजागर करता है कि धर्म के बावजूद भी आर्थिक सफलता हासिल की जा सकती है।

ट्रंप का नया फरमान- कागज नहीं सिर्फ प्लास्टिक स्ट्रॉ कर करो इस्तेमाल

विवादित आदेश पर किए दस्तखत

इंटरनेशनल डेस्क: अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को कहा कि वह संघीय स्तर पर कागज के स्ट्रॉ के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा रहे हैं, क्योंकि वे ''टिकाऊ नहीं होते। उन्होंने कहा कि इसके बजाए प्लास्टिक के इस्तेमाल की तरफ बढ़ना चाहिए। ट्रंप ने संघीय खरीद नीतियों को पलटने के लिए एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किया है। उन्होंने वह नीति पलट दी है जिसके तहत कागज के स्ट्रॉ की खरीद को प्रोत्साहित किया जाता था और प्लास्टिक के स्ट्रॉ पर प्रतिबंध था। आदेश में संघीय एजेंसियों को कागज के स्ट्रॉ खरीदना बंद करने का निर्देश दिया गया है।

सरकारी एजेंसियों को यह सुनिश्चित करना होगा कि दफ्तरों के भीतर अब कागज के स्ट्रॉ उपलब्ध न कराए जाएं। ट्रंप लंबे समय से कागज से बने स्ट्रॉ के खिलाफ बोलते रहे हैं। राष्ट्रपति चुनाव के प्रचार अभियान के दौरान ट्रंप ब्रांड वाले पुनः इस्तेमाल होने वाले प्लास्टिक स्ट्रॉ की बिक्री भी की गई थी। ट्रंप ने इस आदेश से पूर्ववर्ती जो बाइडन प्रशासन के फैसले को पलट दिया है जिसमें 2027 तक खाद्य सेवा संचालन, आयोजनों और पैकेजिंग से स्ट्रॉ सहित एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक की संघीय खरीद को समाप्त करना और 2035 तक सभी संघीय संचालनों से समाप्त करना शामिल था। ट्रंप ने सप्ताहांत में सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन की नीति को ''मृत करार दिया। प्लास्टिक के स्ट्रॉ को महासागरों को प्रदूषित करने और समुद्री जीवन को नुकसान पहुंचाने के लिए दोषी ठहराया जाता है लेकिन ट्रंप ने कहा कि उन्हें लगता है कि उनका इस्तेमाल जारी रखना ''ठीक है। ट्रंप ने कहा, ''मुझे नहीं लगता कि प्लास्टिक शार्क को बहुत अधिक प्रभावित करने वाला है क्योंकि वे समुद्र में अपना रास्ता बनाते हुए भोजन खाते हैं।

कई अमेरिकी राज्यों और शहरों ने प्लास्टिक स्ट्रॉ पर प्रतिबंध लगाया है, और कुछ रेस्तरां अब ग्राहकों को उन्हें नहीं देते हैं। पर्यावरण समूह ओशियाना की प्लास्टिक अभियान निदेशक क्रिस्टी लेविट ने कहा कि ट्रंप का आदेश ''समाधान खोजने से ज़्यादा संदेश देने के बारे में है। उन्होंने कहा कि अधिकांश अमेरिकी मतदाता कंपनियों को एकल-उपयोग वाली प्लास्टिक पैकेजिंग को कम करने की आवश्यकता का समर्थन करते हैं। लेविट ने कहा, ''राष्ट्रपति ट्रंप एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक पर गलत दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। प्लास्टिक विनिर्माण उद्योग ने हालांकि ट्रंप के फैसले की सराहना की है। 'स्ट्रॉज़ टर्टल आइलैंड रीस्टोरेशन नेटवर्क के अनुसार, अमेरिका में प्रतिदिन 39 करोड़ से अधिक स्ट्रॉ का उपयोग किया जाता है, जिनमें से अधिकांश का उपयोग 30 मिनट या उससे कम समय के लिए किया जाता है।

अफगानिस्तान में सुसाइड बम विस्फोट में 5 व्यक्तियों की मौत

इंटरनेशनल डेस्क. उत्तरी अफगानिस्तान में मंगलवार को एक बैंक के पास एक आत्मघाती हमलावर द्वारा किए गए विस्फोट में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई और सात अन्य घायल हो गए। यह जानकारी पुलिस ने दी। पुलिस प्रवक्ता जुमाउद्दीन खाकसर ने बताया कि यह हमला कुंदुज प्रांत में काबुल बैंक की एक शाखा के पास हुआ। उन्होंने बताया कि मृतकों में बैंक का एक गार्ड भी शामिल है।

अभी तक किसी ने भी हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है और खाकसर ने कहा कि पुलिस हमले की साजिश रचने वालों का पता लगाने का प्रयास कर रही है। खाकसर ने कोई और जानकारी नहीं दी। पूर्व में इस्लामिक स्टेट समूह के आतंकवादियों ने पूरे अफ़गानिस्तान में बम विस्फोट किए हैं, हालांकि अगस्त 2021 में तालिबान द्वारा सत्ता पर काबिज होने के बाद से आत्मघाती हमले बेहद कम हो गए हैं।

सिंगापुर के मंत्री की चेतावनी: संभावित आतंकवादी घटना के लिए तैयार रहें लोग

इंटरनेशनल डेस्क: सिंगापुर के कानून एवं गृह मामलों के मंत्री के. षणमुगम ने मंगलवार को लोगों को संभावित आतंकवादी घटना के लिए मनोवैज्ञानिक रूप से तैयार रहने की चेतावनी दी। उन्होंने बताया कि अधिकारियों ने देश में और कट्टरपंथी व्यक्तियों को पकड़ा है। मंत्री ने यह चेतावनी हाल ही में एक नाबालिग, एक गृहिणी और एक सफाईकर्मी से जुड़े मामलों का उल्लेख करते हुए दी, जिनके खिलाफ उनकी चरमपंथी साजिशों के लिए आंतरिक सुरक्षा अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई थी। उन्होंने यह टिप्पणी केन्द्रीय व्यापारिक जिले में फोर्ट कैनिंग के निकट स्थित श्री तेंडायुथपानी मंदिर में मीडिया से बात करते हुए की। इस मंदिर में हिंदू श्रद्धालु थाईपुसम 2025 मना रहे थे, जो भगवान मुरुगन के सम्मान में मनाया जाने वाला त्योहार है। थाईपुसम सिंगापुर, मलेशिया और भारत के दक्षिणी भागों में तमिल मूल के लोगों द्वारा मनाया जाने वाला एक पर्व है। 'द स्ट्रेट टाइम्स अखबार ने मंत्री को उद्धृत करते हुए कहा, यह तीसरा युवक है जिसके खिलाफ हमने अब दक्षिणपंथी चरमपंथी विचारधारा को लेकर आदेश जारी किए हैं। वह नस्लीय सामग्री से प्रभावित था और खुद दक्षिणपंथी श्रेष्ठता की अवधारणा से ग्रसित है। वह एक छात्र का जिक्र कर रहे थे, जिसे हिरासत में लिये जाने की घोषणा सोमवार को गृह मंत्रालय ने की थी। छात्र (18) ने एक ऑनलाइन गेम में आतंकवादी की भूमिका निभाई थी, और वह चीनी और मलय लोगों के बीच नस्ली युद्ध शुरू करना चाहता था।

फिर मचेगा कत्लेआम?

नेतन्याहू ने हमास को दी धमकी, कहा- परिणाम भुगतने को रहें तैयार

यरूशलम: इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने मंगलवार को धमकी दी कि अगर हमास शनिवार को उसके तीन बंधकों को रिहा नहीं करता है, तो इजराइली सेना गाजा पट्टी में फिर से लड़ाई शुरू कर देगी। नेतन्याहू ने इजराइली सेना को गाजा पट्टी के अंदर और उसके आसपास के क्षेत्रों में सैनिकों की तैनाती बढ़ाने का आदेश भी दिया है। उनका यह आदेश चरमपंथी समूह हमास द्वारा बंधकों की शनिवार को प्रस्तावित रिहाई को टालने की धमकी दिए जाने के बीच आया है।

इजराइल के एक अधिकारी ने बताया कि नेतन्याहू ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि अगर हमास शनिवार को बंधकों को रिहा नहीं करता है, तो वे हर स्थिति के लिए तैयार रहें। हमास की धमकी के कारण इजराइल और चरमपंथी समूह के बीच गाजा पट्टी में 15 महीने से अधिक समय से जारी युद्ध को रोकने के लिए लागू संघर्ष-विराम समझौता खतरे में पड़ गया है। इस समझौते के तहत हमास सैकड़ों फलस्तीनी कैदियों के बदले अब तक 21 इजराइली बंधकों को रिहा कर चुका है। हालांकि, सोमवार को उसने कहा कि समझौते के तहत गाजा पट्टी में पर्याप्त राहत सामग्री नहीं पहुंचाई जाने के कारण वह तीन और बंधकों की रिहाई टाल रहा है।

राम मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास का निधन

नेशनल डेस्क. उत्तर प्रदेश के अयोध्या में राम मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास का निधन 12 फरवरी, बुधवार को हो गया। वे 85 वर्ष के थे और हाल ही में स्वास्थ्य समस्याओं के कारण लखनऊ के संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान (एसजीपीजीआई) में भर्ती थे। आचार्य सत्येंद्र दास को 3 फरवरी को ब्रेन स्ट्रोक (मस्तिष्काघात) के कारण गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनके शरीर में मधुमेह और उच्च रक्तचाप जैसी पुरानी बीमारियों का भी उपचार चल रहा था। उन्हें एसजीपीजीआई के न्यूरोलॉजी आईसीयू में रखा गया था और उनकी हालत नाजुक बनी हुई थी। अस्पताल ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि, 12 फरवरी की सुबह उन्होंने अंतिम सांस ली। आचार्य सत्येंद्र दास ने राम मंदिर आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लिया और श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के पुजारी के रूप में अयोध्या में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया था। वे राम मंदिर के निर्माण कार्य में शामिल रहे और अयोध्या के श्रद्धालुओं के लिए उनका स्थान अत्यधिक सम्मानित था। उनका निधन मंदिर के पुजारी समुदाय के लिए एक बड़ी क्षति है। उनकी उम्र 85 वर्ष थी, और वे अत्यधिक सरल और साधू जीवन जीने के लिए प्रसिद्ध थे। उनका धार्मिक जीवन और सेवा भाव हमेशा राम मंदिर के अनुयायियों और अयोध्यावासियों के लिए प्रेरणा स्रोत बने रहेंगे। आचार्य सत्येंद्र दास के निधन से अयोध्या में शोक की लहर है और उनके शिष्य, परिवार के लोग, और राम भक्त गहरे दुख में हैं। उनके अंतिम संस्कार की तिथि और स्थान के बारे में जल्द ही जानकारी दी जाएगी। आचार्य सत्येंद्र दास ने राम मंदिर के महत्व को बताते हुए हमेशा इसे भारतीय संस्कृति और धार्मिक एकता का प्रतीक माना। उनके निधन से राम मंदिर के निर्माण की प्रक्रिया में भी एक रिक्तता आ गई है, लेकिन उनका योगदान सदैव याद रखा जाएगा। राम मंदिर के प्रमुख पुजारी के निधन से अयोध्या के सभी धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में कमी महसूस की जाएगी। भक्तों और मंदिर के पुजारियों के लिए यह एक कठिन समय है, लेकिन उनकी यादें और उनकी धार्मिक सेवा हमेशा जीवित रहेंगी।

इमरान खान ने आर्मी चीफ मुनीर पर कसा तंज

कहा- बचे भी जानते कि पाकिस्तान को कौन चला रहा

इंटरनेशनल डेस्क: जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने कहा है कि यहां तक कि बचा भी जानता है कि पाकिस्तान को सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर चला रहे हैं। खान (72) ने सोमवार को 'एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ''मैं डीजी आईएसपीआर (सैन्य शाखा के प्रवक्ता) को बताना चाहता हूं कि सेना की विश्वसनीयता नष्ट की जा रही है। हालांकि, सेना राजनीति में हस्तक्षेप नहीं करने का दावा करती है, लेकिन यहां तक कि बचा भी जानता है कि सेना प्रमुख देश चला रहे हैं। विभिन्न मामलों में अगस्त, 2023 से जेल में बंद खान ने कहा, '' देश को (गृह मंत्री और पीसीबी चेयरमैन) मोहसिन नकवी जैसे दलालों के हवाले कर दिया गया है, जिन्होंने कभी पार्षद का चुनाव भी नहीं लड़ा, लेकिन अब वह क्रिकेट से लेकर आंतरिक और बाहरी मामलों तक सब कुछ नियंत्रित करते हैं। पूरा देश दमन और फासीवाद की गिरफ्त में है। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के संस्थापक खान ने कहा कि सबसे बड़े धन शोधनकर्ताओं - शरीफ और जरदारी - को देश पर थोप दिया गया है। क्रिकेट से राजनीति में आए खान ने कहा, ''30 साल तक खुफिया एजेंसियों ने खुद हमें बताया कि कैसे इन दोनों परिवारों ने पाकिस्तान को लूटा। उन्होंने हमें 'सरे पैलेस और 'मेफेयर अपार्टमेंट की फाइलें दिखाईं। एनएबी (राष्ट्रीय भ्रष्टाचार निरोधक निकाय) को 1,100 अरब पाकिस्तानी रुपये वसूलने थे और हम अपने कार्यकाल के दौरान 480 अरब पाकिस्तानी रुपये वसूल करने में कामयाब रहे, क्योंकि हम जवाबदेही के बारे में गंभीर थे। इसके विपरीत, पिछले 17 वर्षों में, केवल 80-90 अरब पाकिस्तानी रुपये की वसूली की गई थी। लेकिन एनएबी कानूनों में संशोधन करके, इन दोनों परिवारों के खिलाफ सभी मामले बंद कर दिए गए। उन्होंने कहा, ''जिन खुफिया एजेंसियों ने कभी उन्हें भ्रष्ट करार दिया था, उन्होंने ही अब उन्हें चुनावी धोखाधड़ी के जरिए हम पर थोप दिया है, सिर्फ इसलिए क्योंकि वे चाटुकारिता करने में माहिर हैं। खान ने कहा कि जिन हस्तियों को लोगों ने अस्वीकार कर दिया है, उन्हीं को (सत्ता प्रतष्ठानों में) स्थापित करके सेना ने अपनी विश्वसनीयता नष्ट कर दी है और जनता के आक्रोश को बढ़ावा दिया है। उन्होंने कहा कि इस पूरी दिखावटी व्यवस्था का अस्तित्व पीटीआई को कुचलने, उसके लोगों को सलाखों के पीछे रखने और यह सुनिश्चित करने पर निर्भर करता है कि चुनावी धोखाधड़ी छिपी रहे। खान ने कहा, '' कोई भी सर्वेक्षण करा लें, और आप (सेना) देखेंगे कि जनता और सेना के बीच की खाई कितनी बढ़ गई है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569